वर्ष : 17 | अंक : 190 | मूल्य : 02 रुपया मात्र | पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित | गुरुवार 30 अप्रैल 2026 | लोकतंत्र का स्तंभ

उत्तर प्रदेश के विकास की नई जीवन रेखा बनेगा गंगा एक्सप्रेस-वे: पीएम

प्रधानमंत्री मोदी ने उप्र के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का किया लोकार्पण
प्रधानमंत्री का ऐलान- अब मेरठ से आगे हरिद्वार तक जाएगा गंगा एक्सप्रेसवे

एजेंसी। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के हरदोई जनपद में प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जैसे मां गंगा हजारों वर्ष से उत्तर प्रदेश की और इस देश की जीवन रेखा रही है, वैसे ही आधुनिक प्रगति के इस दौर में उनके समीप से गुजरता यह गंगा एक्सप्रेस-वे राज्य के विकास की नई जीवन रेखा बनेगा। गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के मौके पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह भी संयोग है कि पिछले चार-पांच दिन से मां गंगा के सानिध्या में रहा। आज सुबह ही काशी में दर्शन किया। अब मां गंगा के नाम पर बने इस एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण का अवसर मिला है। मुझे खुशी है कि यूपी सरकार ने इस एक्सप्रेस-वे का नाम मां गंगा के नाम पर रखा है। इसमें विकास का विजन झलकता है और विरासत की झलक भी दिखती है। मै यूपी के करोड़ों लोगों को गंगा एक्सप्रेसवे की बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लोकतंत्र के उत्सव का अहम दिन है। बंगाल में दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। जो खबरें आ रही हैं, उससे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है। पहले चरण की तरह ही जनता वोट देने के लिए बड़ी संख्या में घरों से निकल रही है। लंबी-लंबी कतारों की तस्वीरें सोशल मीडिया में छाई हुई है। पिछले पांच छह दशक में जो नहीं हुआ, वह आज हो रहा है। लोग भयमुक्त होकर मतदान कर रहे हैं। यह देश के संविधान और देश के मजबूत होते लोकतंत्र का पुण्य प्रतीक है। मै बंगाल की जनता का आभार प्रकट करता हूं। अभी वोटिंग में कई घंटे बाकी हैं। बंगाल की जनता से अपील करता हूं कि ऐसे ही वे उत्साह से लोकतंत्र के इस पर्व में भागीदारी करें। उन्होंने कहाकि कुछ समय पहले बिहार में जब चुनाव हुए तब भाजपा एनडीए ने चुनाव में इतिहास रच दिया था। अभी-अभी कल ही गुजरात में निकाय और पंचायत चुनावों के रिजल्ट आए हैं। आपको जानकर खुशी होगी कि भाजपा ने 80 फीसदी निकाय और पंचायत चुनाव जीत लिए हैं। मोदी के इन शब्दों के दौरान भारी जनसमूह ने मोदी-मोदी के नारे लगाए। मोदी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि भाजपा इन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में हैट्रिक लगाने जा रही है। चुनाव परिणाम 4 मई को विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेंगे। देश के विकास की गति को नयी ऊर्जा से भरेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के विकास लिए तेजी से हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना है। दिसंबर 2021 में गंगा एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास करने मैं शाहजहांपुर आया था। अभी पांच साल से भी कम समय हुआ है। देश के सबसे बड़े एक्सप्रेसवे में शुमार यह गंगा एक्सप्रेसवे बनकर तैयार हो गया है। आज हरदोई से इसका लोकार्पण हो रहा है। यही नहीं, एक ओर गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीकाशी विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी, बच्चों पर बरसाया प्यार

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के अन्तिम दिन बुधवार सुबह काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के स्वर्णिम दरबार में विधिवत हाजिरी लगाई। वैदिक मंत्रोंच्चार के बीच मंदिर के स्वर्णमंडित गर्भगृह में बाबा के पावन ज्योतिर्लिंग का षोडशोपचार पूजा,अभिषेक अर्चक ओम प्रकाश मिश्र सहित पांच ब्राह्मणों ने कराई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने भी काशीपुराधिपति के प्रति अनुराग, श्रद्धाभाव दिखाते हुए मंत्रोंच्चार का उच्चारण किया और देश में सुख-समृद्धि की मंगल कामना की। दर्शन पूजन के बाद प्रधानमंत्री ने मंदिर परिसर में मौजूद शिवभक्तों का अभिवादन किया। काशी के 54वें दौरे पर आए प्रधानमंत्री ने काशी विश्वनाथ मंदिर में 51 ब्राह्मणों की शंखध्वनि के बीच प्रवेश किया। इस दौरान हर-हर महादेव के जयकारे लगाए गए। धाम में डमरूओं के निनाद, बटुकों के शंखनाद के बीच मंदिर न्यास के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन पूजन करने के बाद प्रधानमंत्री हरदोई जाने के लिए बाबतपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। इसके पहले सुबह लगभग आठ बजे प्रधानमंत्री मोदी बरेका गेस्ट हाउस से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए रवाना हुए।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

सत्ता की सवारी करना जानते हैं, मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2001 में पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उसके बाद से सत्ता को किस तरह से नियंत्रित किया जा सकता है, दिखला दिया। सत्ता और नौकरशाही पर मोदी ने अपनी मजबूत पकड़ बनाते हुए, 2001 से लेकर 2026 तक का जो राजनीतिक सफर पूरा किया है, उसे देखते हुए यह कहा जा सकता है, भारत में उनके मुकाबले का कोई ऐसा राजनेता नहीं देखने में आया जिसने सत्ता की सवारी इस तरह से की हो। इसके पहले स्वतंत्र भारत में कोई नहीं कर पाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर विषम परिस्थितियों में सत्ता के उन सभी घोडों को नियंत्रित करने में सफलता हासिल की, जिनको नियंत्रित करना आमतौर पर उसके पहले के किसी भी प्रधानमंत्री के लिए संभव नहीं हुआ। गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद गोधरा कांड हुआ था। जिसमें उनकी कुर्सी खतरे में पड़ी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को कहना पड़ा था, मोदी जी राज धर्म का पालन करें। उस विषम परिस्थितियों से नरेंद्र मोदी अपने आपको बाहर निकलने में सफल रहे।

2002 का विधानसभा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने कभी मुड़कर नहीं देखा। गुजरात में उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री केशू भाई पटेल और शंकर सिंह बघेला को घर बिठाकर अपनी ताकत का एहसास कराया था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में रहते हुए संघीय और केंद्रीय व्यवस्था को कब कैसे नियंत्रित किया जा सकता है, यह उन्होंने गुजरात से जाना। नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप यह भी जाना कि किस तरह से विपक्षी दलों के नेताओं का कैसे उपयोग करना है। कार्यपालिका, न्यायपालिका, पार्टी संगठन और विपक्षी दलों के नेताओं को किस तरह से काबू करना है, या अपने पाले में लाना है। यह किसी से छिपा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी लागू करके विपक्ष को एक ही झटके में सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया था। काला धन तो वापस नहीं आया। नोटबंदी के कारण उन्होंने उस दौरान के अधिकांश राज्यों के चुनाव और लोकसभा जीत लिया।

विपक्ष को पैसे-पैसे के लिए तरसा दिया। समय बीता, अब कोई भी आदमी नोटबंदी लागू होने के बाद काला धन और आतंकवाद खत्म होने की बात नहीं करता है। कुछ इसी तरह से उन्होंने जीएसटी कानून लागू किया। उसका उत्सव मनाया। देखते ही देखते राज्यों और केंद्र के राजस्व में कई गुना इजाफा कर लिया। आम जनता के ऊपर भारी टैक्स लगा, लेकिन जनता ने ताली बजाकर स्वागत किया। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी ने जो भी निर्णय लिए उसका कितना भी विरोध हो, उन्होंने बिना डरे उसका मुकाबला जिस तरह से किया, यह नरेंद्र मोदी से अच्छा और कोई नहीं जानता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी जिस विचारधारा को लेकर राजनीति करती थी। उस विचारधारा के विपरीत लोगों को जिस तरह से उन्होंने भाजपा में शामिल किया। सत्ता में उन्हें भागीदार बनाया। कई राज्यों में भाजपा की डबल इंजन की सरकारें बनाईं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बारिश से उड़ानों में देरी, इंडिगो और स्पाइसजेट ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में बारिश और खराब मौसम के चलते उड़ानों के संचालन पर काफी असर पड़ा है, जिससे कई उड़ानें प्रभावित हुई हैं। इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइनों ने यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी कर एयरपोर्ट जाने से पहले फ्लाइट स्टेटस चेक करने और अतिरिक्त समय लेकर चलने की सलाह दी है। मौसम में सुधार होते ही परिचालन सामान्य होने की उम्मीद है। देश की बजट एयरलाइन इंडिगो ने मंगलवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी यात्रा सलाह में कहा कि दिल्ली में खराब मौसम की वजह से उड़ानों के शेड्यूल पर असर पड़ा है। हम मौसम पर लगातार नज़र रख रहे हैं और आपको आपकी मंज़िल तक सुरक्षित और आसानी से पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप http://bit.ly/4bCoWYk या ऐप के जरिए अपनी उड़ान की स्थिति के बारे में जानकारी लेते रहें। इंडिगो ने कहा कि कृपया निश्चिंत रहें कि हमारी टीमें हर कदम पर आपकी मदद करने और आपको पूरा सहयोग देने के लिए यहां मौजूद हैं। हम आसमान साफ होने और जल्द ही अपने सामान्य शेड्यूल पर लौटने की उम्मीद करते हैं। आपके धैर्य और समझ के लिए धन्यवाद। इसके अलावा इंडिगो ने एक अन्य यात्रा परामर्श में कहा कि आइजोल, लेह और अगरतला में खराब मौसम के कारण उड़ानों का संचालन प्रभावित हो रहा है।

नासा का आर्टेमिक-2 अंतरिक्ष यान चांद यात्रा पूरी कर लौटा, इंजीनियर करेंगे जांच

वाशिंगटन। नासा का आर्टेमिक-2 अंतरिक्ष यान अपनी ऐतिहासिक चांद यात्रा पूरी कर फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर वापस आ गया है। एक महीने पहले जिस स्थान से इस मिशन ने उड़ान भरी थी, वहीं इस मूनशिप की सुरक्षित वापसी अंतरिक्ष विज्ञान के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह कैप्सूल, जिसमें चार अंतरिक्ष यात्री चांद के चारों ओर घूमे थे, अब केनेडी स्पेस सेंटर पर वापस आ गया है। ठीक उसी जगह जहां से इसकी ऐतिहासिक यात्रा करीब एक महीने पहले शुरू हुई थी। यह मिशन इंसानी अंतरिक्ष खोज के लिए एक बड़ा कदम है, क्योंकि 50 से ज़्यादा सालों में यह पहली बार था जब अंतरिक्ष यात्री चांद पर गए और वापस लौट आए। ऑरिऑन कैप्सूल 10 अप्रैल को प्रशांत महासागर में उतरा, जिससे अंतरिक्ष में उसका करीब 10 दिन का मिशन खत्म हो गया। उसके बाद, इसे सेनडिगो से कापे कारनेवाल तक ट्रक से बहुत सावधानी से पहुंचाया गया। अब जब यह वापस आ गया है, तो इंजीनियर इसकी बारीकी से जांच करेंगे। खास तौर पर हीट शील्ड पर ध्यान दिया जाएगा, जिसने पृथ्वी के वायुमंडल से गुजरते समय कैप्सूल को जलने से बचाया था। इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और रिसर्च के सामान समेत दूसरे हिस्सों की भी जांच की जाएगी, उनकी मरम्मत की जाएगी।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष को विशेष विमान से लेह पहुंचाया गया

बुद्ध पूर्णिमा कार्यक्रम में गृह मंत्री होंगे शामिल

एजेंसी। लेह

महात्मा बुद्ध के पवित्र अवशेष आम लोगों के दर्शन के लिए भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से बुधवार सुबह राजधानी नई दिल्ली से लद्दाख की राजधानी लेह पहुंच गए। कड़ी सुरक्षा के बीच पहुंचे इन अवशेषों को हेड ऑफ स्टेट का दर्जा दिया गया है। लेह के तकनीकी हवाई अड्डे पर पारंपरिक बौद्ध रीति-रिवाजों के साथ स्वागत के बाद इन्हें चोगलमसर स्थित जेवेत्सल ले जाया गया। लद्दाख में 1 मई से 15 मई तक आम जनता के लिए दर्शन के लिए रखा गया है। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, कई देशों के राजदूत और उच्चायुक्तों के भी लेह पहुंचने का कार्यक्रम है। लेह के तकनीकी हवाई अड्डे पर बुधवार को विभिन्न मठों के धर्मगुरु, बौद्ध भिक्षु और प्रशासनिक अधिकारियों ने मंत्रोच्चारण के बीच पवित्र अवशेषों का स्वागत किया। विमान से उतारने के बाद विधिवत पूजा-अर्चना की गई और इन्हें जेवेत्सल ले जाया गया। हवाई अड्डे से जेवेत्सल तक करीब 10 किलोमीटर लंबे मार्ग पर हजारों श्रद्धालु सड़क किनारे खड़े होकर फूल मालाओं के साथ दर्शन करते रहे। पूरे मार्ग को पारंपरिक तरीके से सजाया गया था और कई स्थानों पर फूल वर्षा कर स्वागत किया गया। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है, खासकर बौद्ध धर्म के अनुयायियों और लद्दाख के लोग इस दिन का वर्षों से इंतज़ार कर रहे थे।

जेवेत्सल में होगी पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी : राजधानी लेह में चोगलमसर स्थित जेवेत्सल में पवित्र अवशेषों को विशेष सुरक्षा के बीच स्थापित किया गया है। यहां 1 मई से 15 मई तक आम जनता के लिए दर्शन की व्यवस्था की गई है। इस दौरान देश और विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां की हैं।

बुद्ध पूर्णिमा पर विशेष आयोजन : 1 मई को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर जेवेत्सल में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न बौद्ध परंपराओं के अनुसार प्रार्थना, ध्यान और अनुष्ठान किए जाएंगे। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें लद्दाख की पारंपरिक कला और संगीत प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने विशेष प्रोटोकॉल तैयार किया है और श्रद्धालुओं की आवाजाही को चरणबद्ध तरीके से संचालित करने की योजना बनाई गई है।

केंद्र का दावा : देश में गैस की कोई किल्लत नहीं, कमर्शियल गैस की आपूर्ति पूरी तरह बहाल

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देशभर में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी, पाइप्ड नेचुरल गैस, और परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस आपूर्ति पूरी तरह स्थिर है और किसी भी वितरक केंद्र पर गैस की कमी या सप्लाई बाधित होने की कोई सूचना नहीं है। एक अंतर-मंत्रालयी प्रेस ब्रीफिंग में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है और देश के किसी भी एलपीजी वितरक केंद्र पर 'ड्राई-आउट' की स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि आम नागरिकों को रसोई गैस की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी न हो।सुजाता शर्मा ने बताया कि वाणिज्यिक एलपीजी और पीएनजी की आपूर्ति को भी धीरे-धीरे बहाल किया जा रहा है और वर्तमान में इसे 70 प्रतिशत तक पुनर्स्थापित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति दी जा रही है ताकि आवश्यक सेवाओं पर कोई असर न पड़े। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि प्रवासी मजदूरों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पांच किलोग्राम वाले फ्री-ट्रेड एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति दोगुनी कर दी गई है। अप्रैल महीने में अब तक 1 लाख 75 हजार टन से अधिक वाणिज्यिक एलपीजी की बिक्री हो चुकी है, जबकि केवल कल के दिन 9 हजार 578 टन एलपीजी की आपूर्ति दर्ज की गई। इस बीच, पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को देखते हुए वस्त्र मंत्रालय भी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है।

वस्त्र मंत्रालय के व्यापार सलाहकार बिपिन मेनन ने कहा कि शिपिंग व्यवधान और लॉजिस्टिक चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। निर्यातकों को वैकल्पिक समुद्री मार्गों और जेद्दा जैसे बंदरगाहों के उपयोग की सलाह दी गई है ताकि निर्यात गतिविधियां प्रभावित न हों। उन्होंने कहा कि ईंधन और गैस की आपूर्ति फिलहाल औसत खपत के लगभग 80 प्रतिशत स्तर पर स्थिर बनी हुई है, जिससे औद्योगिक गतिविधियों पर किसी बड़े संकट की आशंका नहीं है।

परियोजना विकास नहीं, बल्कि विकास की भाषा में छिपा विनाशः राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को ग्रेट निकोबार द्वीप के दौरे का वीडियो शेयर किया और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने केंद्र की ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह विकास नहीं, बल्कि विकास की भाषा में छिपा विनाश है। राहुल गांधी वीडियो में ग्रेट निकोबार द्वीप के जंगल में घूमते नजर आए। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, आज मैंने ग्रेट निकोबार की यात्रा की। ये मेरी जिंदगी के सबसे अनोखे जंगल हैं। ऐसे पेड़ जो हमारी यादों से भी पुराने हैं। ऐसे जंगल जिन्हें उगने में कई पीढ़ियां लग गईं। इस द्वीप के लोग भी उतने ही खूबसूरत हैं, चाहे वे आदिवासी समुदाय हों या वहां बसने वाले लोग, लेकिन उनसे वह सब छीना जा रहा है।

भूमि अधिग्रहण जैसी छोटी दिखने वाली समस्याएं आर्थिक नुकसान का कारण बनतीः गडकरी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि निर्णय लेने में देरी, कमजोर योजना और जवाबदेही की कमी ही परियोजनाओं के समय पर पूरा न होने के मुख्य कारण हैं। भूमि अधिग्रहण जैसी छोटी दिखने वाली समस्याएं और अनुमति मिलने में देरी भी बड़े आर्थिक नुकसान का कारण बनती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि इन बुनियादी समस्याओं को समय रहते हल किया जाए तो परियोजनाओं की लागत और समय दोनों को नियंत्रित किया जा सकता है। नई दिल्ली में आयोजित इंफ्रास्ट्रक्चर सम्मेलन और अचीवर्स अवार्ड्स 2026 में देश के बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई। गडकरी ने इसी कार्यक्रम में बोलते हुए ये बातें कही। एसोचैम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने परियोजनाओं में देरी तथा बढ़ती लागत के कारणों पर स्पष्ट रूप से अपनी बात रखी। गडकरी ने गुणवत्ता के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कई बार ठेकेदार घटिया काम करते हैं लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर उन्हें काली सूची में डाला जाना चाहिए। उनके अनुसार केवल काम की मात्रा बढ़ाने पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि गुणवत्ता को समान महत्व देना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया के कारण किसी भी छोटी खामी को तुरंत उजागर किया जा सकता है, इसलिए पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखना पहले से अधिक जरूरी हो गया है। उन्होंने तकनीक के उपयोग पर बल देते हुए कहा कि निर्माण लागत कम करने के लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, लेकिन गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए।

अयोध्या–मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस : सस्ती, तेज और सुविधाजनक यात्रा से आम लोगों को राहत

एजेंसी। नई दिल्ली

अयोध्या और मुंबई के बीच शुरू की गई नई अमृत भारत एक्सप्रेस को आम यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण और किफायती रेल सेवा के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय रेल की यह पहल विशेष रूप से गैर-एसी श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा और तेज सफर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। इस ट्रेन में आधुनिक तकनीक और यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई सुधार किए गए हैं, जिससे सामान्य वर्ग में यात्रा का अनुभव पहले की तुलना में अधिक आरामदायक हो गया है। अमृत भारत एक्सप्रेस में यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में पुश-पुल तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे दोनों ओर इंजन होने के कारण रफ्तार और समयपालन में सुधार होता है। कोचों में एलईडी लाइटिंग, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट और बेहतर वेंटिलेशन की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा साफ-सफाई और सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। कोचों में सीसीटीवी कैमरे और उन्नत ब्रेकिंग सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे यात्रा अधिक सुरक्षित बनती है। यह ट्रेन पूरी तरह नॉन-एसी श्रेणी की है, जिससे इसका किराया आम एक्सप्रेस ट्रेनों के समान या कुछ अधिक रखा गया है। अयोध्या से मुंबई जैसे लंबे रूट पर भी इसका खर्च आम यात्रियों के बजट में रहता है। इससे वे यात्री भी लंबी दूरी की यात्रा कर पाएंगे, जो पहले अधिक किराए के कारण सीमित विकल्पों तक ही रह जाते थे। अमृत भारत एक्सप्रेस से यात्रियों को कई स्तर पर राहत मिलती है।

कम किराया, बेहतर सीटिंग और तेज गति के कारण यात्रा अधिक सहज और समयबद्ध होती है। साथ ही, इस नई सेवा से अन्य ट्रेनों में भीड़ कम होने की संभावना है, जिससे पूरे नेटवर्क पर दबाव घटेगा। अमृत भारत एक्सप्रेस अयोध्या से सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, सतना, जबलपुर, इटारसी, नासिक रोड, कल्याण व ठाणे के रास्ते करीब 28 घंटे में मुंबई पहुंचेगी। इस नई सेवा से काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में श्री राम मंदिर और शिरडी जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों तक पहुंच आसान होगी।

आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को "शर्मनाक क्लीन चिट": राजनाथ

नई दिल्ली। नई दिल्ली में कांग्रेस ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (शंघाई सहयोग संगठन) के सम्मेलन में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को "शर्मनाक क्लीन चिट" दे दी। कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि यह रुख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस नीति का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका को संतुष्ट करने और चीन के सामने संतुलित समर्पण दिखाने की कोशिश हो रही है। दरअसल, रक्षा मंत्री सिंह ने एससीओ सम्मेलन में कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है और अब आतंकवाद के केंद्रों को सजा से छूट नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता या धर्म नहीं होता और किसी भी प्रकार की शिकायत—चाहे वास्तविक हो या काल्पनिक—आतंकवाद को सही ठहराने का आधार नहीं बन सकती। रक्षा मंत्री सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि यह बयान प्रधानमंत्री मोदी की स्वीकृति और निर्देश पर दिया गया है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

विदेश में नौकरी का झांसा देने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले अंतरराज्यीय फर्जी वीजा गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरोह रूस, तुर्की और अजरबैजान में मोटी सैलरी वाली नौकरी का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये ऐंठता था। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से पांच पीड़ितों के मूल पासपोर्ट, सात मोबाइल फोन, नकदी और कई फर्जी पहचान पत्र बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बिहार के सिवान निवासी सलाउद्दीन मंसूरी उर्फ हैदर खान, उत्तर प्रदेश के कुशीनगर निवासी कौसर और गाजियाबाद निवासी मोहम्मद शहजाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तीनों एक संगठित गिरोह के तौर पर काम कर रहे थे और अब तक सैकड़ों लोगों को निशाना बना चुके हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने बुधवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि एक गिरोह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विदेश में नौकरी के विज्ञापन देकर लोगों से ठगी कर रहा है। इसके बाद इंस्पेक्टर संजय कौशिक की टीम ने तकनीकी निगरानी और फील्ड जांच के आधार पर आरोपितों की गतिविधियों पर नजर रखी। पुख्ता सूचना मिलने पर पीतमपुरा के पास छापेमारी कर तीनों को दबोच लिया गया। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपित सलाउद्दीन खुद को कोलकाता की फर्जी कंपनी 'सबा एंटरप्राइजेज' का एचआर मैनेजर बताकर पीड़ितों से संपर्क करता था। सोशल मीडिया पर रूस, तुर्की और अजरबैजान में नौकरी के आकर्षक विज्ञापन पोस्ट किए जाते थे। विज्ञापन पर क्लिक करते ही आवेदकों को व्हाट्सएप और फेसबुक बिजनेस अकाउंट से जोड़ा जाता था, जहां उनसे पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज मांगे जाते थे। आरोपित पासपोर्ट की स्कैन कॉपी लेकर उस पर फर्जी वीजा स्टांप तैयार करते थे और नकली वीजा, फर्जी जॉब लेटर तथा अस्थायी या रद्द हवाई टिकट भेजकर भरोसा दिलाते थे कि वीजा प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसके लिए ऑनलाइन फर्जी वेरिफिकेशन लिंक भी बनाए गए थे, ताकि दस्तावेज असली प्रतीत हों। पीड़ित जब एयरपोर्ट जाने या यात्रा की तैयारी करते थे तब उन्हें पता चलता था कि उनके असली पासपोर्ट पर कोई वीजा नहीं लगा है और टिकट भी रद्द हो चुके हैं। तब तक आरोपित मोबाइल फोन बंद कर फरार हो जाते थे। पुलिस के मुताबिक गिरोह लगातार ठिकाने बदलकर कोलकाता, गोरखपुर, नोएडा और पटना से ऑपरेट करता था ताकि कानून की पकड़ से बच सके। मुख्य सरगना मोहम्मद मुन्ना फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश कर सात दिन की रिमांड पर लिया है और वित्तीय लेनदेन तथा अन्य पीड़ितों की पहचान की जा रही है।

दिल्ली में 'राष्ट्रीय गोल्डन अचीवर अवार्ड 2026' का भव्य आयोजन

'विकसित भारत 2047' राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में विशेषज्ञों का मंथन, देशभर की 30+ हस्तियां सम्मानित

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी के पांच सितारा होटल द अशोक में मंगलवार को मन की उड़ान फाउंडेशन के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय गोल्डन अचीवर अवार्ड 2026' एवं 'विकसित भारत 2047' राष्ट्रीय कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संस्था के संरक्षक एवं मार्गदर्शक डॉ. विजय किशोर बंसल के सतत मार्गदर्शन एवं दूरदर्शी सोच के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम ने गरिमा और सफलता के नए आयाम स्थापित किए। इस अवसर पर देशभर से राजनीति, फिल्म, उद्योग एवं समाजसेवा क्षेत्र की 30 से अधिक प्रतिष्ठित हस्तियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

विकसित भारत 2047 पर मंथन–'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को केंद्र में रखते हुए आयोजित इस कॉन्क्लेव के दो सत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, MSME, डिजिटल इंडिया, महिला सशक्तिकरण, युवा शक्ति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। कॉन्क्लेव के मॉडरेटर कंपनी सेक्रेट्री अंशुल जैन रहे, जबकि कार्यक्रम का संचालन रितेश मैनी द्वारा किया गया।

ख़ास ख़बर

मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के मामले में याचिकाकर्ता ने पेश की दलीलें

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बारे में कथित अपमानजनक बयान के मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने से ट्रायल कोर्ट के इनकार करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर याचिकाकर्ता की ओर से दलीलें रखी गईं। स्पेशल जज जीतेंद्र सिंह ने मामले की अगली सुनवाई 23 मई को करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता रविंद्र गुप्ता के वकील गगन गांधी ने दलीलें रखी। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता आरएसएस का सदस्य होने के नाते वह मल्लिकार्जुन खरगे के बयानों से आहत है। उन्होंने खरगे पर एफआआईआर दर्ज करने की मांग की। कोर्ट ने मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से वकील रेबेका जॉन को 23 मई को दलीलें रखने का आदेश दिया। मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से 20 मार्च को जवाब दाखिल किया गया गया था। इस मामले में तीस हजारी कोर्ट के मजिस्ट्रेट कोर्ट ने खरगे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया था, जिसके बाद याचिकाकर्ता रविंदर गुप्ता ने सेशंस कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने 29 जनवरी को खरगे को नोटिस जारी किया था। दरअसल 13 दिसंबर 2024 को तीस हजारी कोर्ट के मजिस्ट्रेट कोर्ट ने खरगे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने से इनकार कर दिया था। मल्लिकार्जुन खरगे राज्यसभा के सांसद हैं, इसलिए उनके खिलाफ अब राऊज एवेन्यू स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका आरएसएस के सदस्य रविंद्र गुप्ता ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि मल्लिकार्जुन खरगे ने 27 अप्रैल, 2023 को कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा और आरएसएस के बारे में अपमानजनक बयान दिए। याचिका में कहा गया है कि मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए। बाद में मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उन्होंने जो बयान दिया था वो प्रधानमंत्री के खिलाफ नहीं बल्कि आरएसएस और भाजपा के खिलाफ लगाया था। इस मामले में कोर्ट ने सब्जी मंडी पुलिस थाने को एक्शन टेकन रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। सब्जी मंडी थाने की पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बयान कर्नाटक में दिए गए हैं और वो सब्जी मंडी थाने के क्षेत्राधिकार में नहीं आता है।

डीएफएस ने दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए उठाए अहम कदमः वित्त मंत्रालय

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, बीमा कंपनियों और अन्य वित्तीय संस्थानों के प्रबंधन को केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुरूप सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों में 'मानक दिव्यांगता' वाले व्यक्तियों को आरक्षण प्रदान करने का निर्देश दिया है। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि इसके अलावा सभी सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों को निम्नलिखित सलाह दी गई है, जो इस प्रकार है। मंत्रालय ने कहा कि दिव्यांग कर्मचारी कल्याण संघों के साथ समय-समय पर बैठकें आयोजित करना, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके विचारों को सुना जा रहा है और उनकी शिकायतों का समय पर निवारण किया जा रहा है।

मंत्रालय के मुताबिक मुख्य सम्पर्क अधिकारी/सम्पर्क अधिकारी की नियुक्ति करें, ताकि केंद्र सरकार द्वारा आरक्षण नीति (जिसमें दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण भी शामिल हैं) से संबंधित जारी निर्देशों/आदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा अपने संबंधित बोर्डों के अनुमोदन से 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016' की धारा 21 और 23 के अनुपालन में एक "समान अवसर नीति" अपनाना शामिल है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों के लिए एक समावेशी कार्य वातावरण सुनिश्चित करना है, जो भेदभाव रहित हो और उन्हें युक्तिसंगत सुविधा, बाधा रहित पहुंच, निष्पक्ष भर्ती और कैरियर विकास के अवसर प्रदान करे। दिव्यांग कर्मचारियों की शिकायतों/समस्याओं के समाधान के लिए एक "शिकायत निवारण अधिकारी" नियुक्त करना है।

भारत में मौसम की भविष्यवाणी अब पहले से कहीं ज्यादा सटीकः डॉ. जितेन्द्र सिंह

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत में मौसम की भविष्यवाणी अब पहले से कहीं ज्यादा सटीक हो गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के डॉप्लर वेदर राडार नेटवर्क को पिछले कुछ सालों में काफी बढ़ाया गया है। 2014 में जहां देश में सिर्फ 14 राडार थे, वहीं अब इनकी संख्या बढ़कर 50 हो गई है यानी 250 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी। बुधवार को मौसम विभाग परिसर में सेल्फी प्वाइंट का उद्घाटन करते हुए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि इस प्वाइंट का उद्देश्य सटीक और समय पर मौसम पूर्वानुमान प्रदान करने में वायुमंडलीय अवलोकनों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। उन्होंने कहा कि सरकार 'मिशन मौसम' के तहत 50 और राडार लगाने की तैयारी में है। इन राडारों की मदद से अब आंधी-तूफान, भारी बारिश, चक्रवातों पहले से ज्यादा सही और समय पर अनुमान लगाया जा सकता है। अब मौसम विभाग "नाउकास्ट" सेवा भी दे रहा है, जिसमें अगले 3 घंटे का बेहद सटीक लोकल मौसम बताया जाता है। उन्होंने कहा कि डॉप्लर राडार खास तकनीक से हवा और बारिश की गति मापते हैं, जिससे यह भी पता चलता है कि बारिश कितनी तेज होगी, ओले पड़ेंगे या नहीं, और बूंदों का आकार क्या होगा। मंत्री ने कहा कि अब लोग घर से निकलने से पहले मोबाइल पर मौसम जरूर देखते हैं, जिससे साफ है कि मौसम पूर्वानुमान पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। सेल्फी प्वाइंट का उद्देश्य सटीक और समय पर मौसम पूर्वानुमान प्रदान करने में वायुमंडलीय अवलोकनों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। आगंतुकों को आकर्षित करने और जागरूकता फैलाने के लिए डिज़ाइन किया गया यह प्वाइंट दर्शाता है कि कैसे वायुमंडल की निरंतर निगरानी से प्रारंभिक चेतावनी संभव होती है, किसानों को सहायता मिलती है और देश भर में आपदा तैयारियों को मजबूती मिलती है।

वरिष्ठ फिल्मकार के. सी. बोकाडिया का सफरः 'रिवाज़' से 'तीसरी बेगम' तक

लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र की शान हिंदी फिल्म जगत में के. सी. बोकाडिया का नाम एक ऐसे फिल्मकार के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने लंबे समय तक दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और अनेक सफल फिल्में दीं। उनका सफर मेहनत, लगन और निरंतर काम करते रहने की मिसाल है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म रिवाज़ से की थी। इस फिल्म में संजीव कुमार , माला सिन्हा और शत्रुघ्न सिन्हा जैसे बड़े कलाकार थे। यहीं से उनके फिल्मी सफर की मजबूत शुरुआत हुई। इसके बाद उन्होंने लगभग 60 फिल्मों का निर्माण किया, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उनकी सफल फिल्मों में प्यार झुकता नहीं, तेरी मेहरबानियां, आज का अर्जुन, नसीब अपना अपना, मैदान ऐ जंग , कुदरत का क़ानून ,जवाब हम देंगे और फूल बने अंगारे शामिल हैं। इन फिल्मों को दर्शकों ने खूब सराहा। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ आज का अर्जुन और लाल बादशाह जैसी फिल्में बनाईं, जो काफी सफल रहीं। वहीं रजनीकांत के साथ भी उन्होंने पांच फिल्में कीं, जो उनकी विशेष उपलब्धि मानी जाती है। प्रियंका चोपड़ा ,सनी देओल सहित लगभग सभी प्रमुख कलाकारों के साथ उन्होंने काम किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने प्रसिद्ध निर्देशक के आसिफ़ की अधूरी फिल्म लव एंड गॉड को भी पूरा किया। यह उनके अनुभव और समर्पण को दर्शाता है।

जमाअत की केंद्रीय सलाहकार परिषद ने मध्य-पूर्व और राष्ट्रीय स्थिति पर चिंता व्यक्त की, न्याय, संवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा का आह्वान किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः जमाअत-ए-इस्लामी हिंद की केंद्रीय सलाहकार परिषद (मरकज़ी मजलिस-ए-शूरा) ने दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में आयोजित तीन-दिवसीय सम्मेलन में दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए। इसने वैश्विक स्थिति, विशेष रूप से मध्य पूर्व में हो रहे गंभीर घटनाक्रमों, तथा भारत की वर्तमान आंतरिक स्थिति के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों पर गहरी चिंता व्यक्त की। पहला प्रस्ताव वैश्विक सूरतहाल से सम्बंधित है जिसमें कहा गया है, "अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान और लेबनान पर किए गए हमले अनुचित हैं और अंतर्राष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन हैं। जिस तरह से नागरिक बुनियादी ढाँचे को निशाना बनाया गया और आम नागरिकों, स्कूलों, अस्पतालों तथा मासूम बच्चों पर बमबारी की गई वह दुनिया की अंतरात्मा के सामने गंभीर सवाल खड़े करते हैं। ये कार्रवाइयाँ मध्य पूर्व को भय और अस्थिरता की एक स्थायी स्थिति में बनाए रखने का एक व्यवस्थित और सुनियोजित हैं। साथ ही ये इज़राइली विस्तारवाद के एजेंडे को भी मज़बूत करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को ऐसी आक्रामकता को रोकने के लिए एक सक्रिय, निष्पक्ष और ज़िम्मेदार भूमिका निभानी चाहिए तथा ठोस कदम उठाने चाहिए। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुई शांति वार्ता से भले ही तत्काल कोई नतीजा न निकला हो, लेकिन उम्मीद है कि इससे गतिरोध टूटेगा और एक स्थायी समझौते का मार्ग प्रशस्त होगा; क्योंकि सभी संघर्षों और मुद्दों का समाधान केवल बातचीत के माध्यम से ही संभव है, और युद्ध इसका कोई समाधान नहीं हो सकता।"

दिल्ली दंगों को लेकर कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने संबंधी याचिका खारिज

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा मामले में दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी है। अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अश्विनी पंवार ने याचिकाकर्ता मोहम्मद इलियास को अपना साक्ष्य देने के लिए कई बार कोर्ट में पेश नहीं होने पर याचिका खारिज करने का आदेश दिया। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि 13 मार्च को एफआईआर दर्ज करने की मांग खारिज कर दी थी और याचिकाकर्ता को 27 मार्च को इस संबंध में साक्ष्य पेश करने का निर्देश दिया था। 27 मार्च को याचिकाकर्ता अपना साक्ष्य देने के लिए पेश नहीं हुआ। 27 मार्च को कोर्ट ने दोबारा 8 अप्रैल को याचिकाकर्ता को साक्ष्य देने के लिए पेश होने को कहा लेकिन याचिकाकर्ता 8 अप्रैल को भी पेश नहीं हुआ। आठ अप्रैल को याचिकाकर्ता की ओर से सनावर चौधरी ने कहा कि कोर्ट के आदेश को सेशंस कोर्ट में चुनौती दी जा रही है जिसके बाद कोर्ट ने सुनवाई टाल दी और याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वो 17 अप्रैल को साक्ष्य पेश करे। 17 अप्रैल को याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि दलीलें रखने के लिए वकील महमूद प्राचा उपलब्ध नहीं है। तब कोर्ट ने अंतिम मौका देते हुए 29 अप्रैल की तिथि नियत की थी। आज सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता मोहम्मद इलियास अपना साक्ष्य देने के लिए पेश नहीं हुआ। उसके बाद कोर्ट ने याचिका खारिज करने का आदेश दिया। मोहम्मद इलियास ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के 13 मार्च के आदेश को सेशंस कोर्ट में चुनौती दी है। मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने 13 मार्च को कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग खारिज कर दिया था। इसके पहले एडिशनल जुडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। इस आदेश को कपिल मिश्रा ने सेशंस कोर्ट में चुनौती दी थी। जिसके बाद सेशंस कोर्ट ने कपिल मिश्रा की मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से जांच के आदेश को निरस्त कर दिया था। इस बीच पूर्ववर्ती मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया का ट्रांसफर हो गया। अब ये मामला मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार के समक्ष चल रहा है। अश्विनी पंवार ने एफआईआर दर्ज करने की मांग खारिज कर दिया है। अब इस मामले में शिकायतकर्ता की ओर से साक्ष्य पेश किए जाएंगे। इसके पहले कड़कड़डूमा कोर्ट ने कहा था कि या तो जांच अधिकारी ने कपिल मिश्रा के खिलाफ कोई जांच नहीं की या उसने कपिल मिश्रा के खिलाफ आरोपों को छिपाने की कोशिश की। कोर्ट ने कहा कि आरोपी कपिल मिश्रा सार्वजनिक व्यक्ति है और उसके बारे में ज्यादा जांच की जरुरत है। क्योंकि ऐसे लोग जनता के मत को सीधे-सीधे प्रभावित करते हैं। सार्वजनिक जीवन जीने वाले व्यक्ति को संविधान के दायरे में रहने की उम्मीद की जाती है। कपिल मिश्रा ने 2025 के विधानसभा चुनाव में करावल नगर विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर जीत दर्ज की थी जिसके बाद दिल्ली सरकार के कानून मंत्री बनाये गए थे।

इंदरपुरी में 70 लाख की दिनदहाड़े लूट का खुलासा, चार गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के इंदरपुरी इलाके में 70 लाख रुपये की दिनदहाड़े हुई लूट का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 53.40 लाख रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। जांच में सामने आया कि लूट की साजिश कंपनी के ही एक कर्मचारी ने रची थी, जिसने नकदी ले जाने की सूचना अपने साथियों को दी थी। पुलिस के अनुसार 31 मार्च 2026 को दोपहर करीब 3:30 बजे कृषि कुंज के पास दो कर्मचारी 70 लाख रुपये नकद लेकर जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोककर नकदी से भरा बैग लूट लिया और फरार हो गए। शिकायत मिलने पर इंदरपुरी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पुलिस को घटना संदिग्ध लगी क्योंकि आरोपितों को नकदी के मूवमेंट और समय की सटीक जानकारी थी। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली और तकनीकी जांच शुरू की। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि शिकायतकर्ता के कर्मचारी विकास ने ही अपने साथियों मोहम्मद कैफ, ऋषि और सौरभ उर्फ बच्चा के साथ मिलकर लूट की साजिश रची थी। पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर ने बुधवार को बताया कि पुलिस टीम ने कई दिनों तक दिल्ली, हरियाणा और उप्र के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर चारों आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद उनके कब्जे से लूटी गई रकम में से 53.40 लाख रुपये बरामद किए गए। साथ ही वारदात में प्रयुक्त बाइक भी जब्त कर ली गई। पुलिस उपायुक्त के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहम्मद कैफ (25), ऋषि यादव (22), सौरभ उर्फ बच्चा (23) और विकास (22) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार विकास निजी नौकरी करता था और उसे कैश मूवमेंट की पूरी जानकारी थी। उसने यह सूचना अपने साथियों को देकर वारदात को अंजाम दिलाया। वहीं पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपित ऋषि यादव और सौरभ के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। ऋषि पर रणहोला थाने में पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है, जबकि सौरभ के खिलाफ आर्म्स एक्ट का केस दर्ज है।

हाई कोर्ट ने आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए आरक्षण की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने आतंकी घटनाओं में मारे गए लोगों के परिवार के सदस्यों को सरकारी नौकरियों में दो फीसदी आरक्षण देने और उनके पुनर्वास के लिए सार्वभौम नीति बनाने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि कोर्ट ऐसा आदेश नहीं दे सकता क्योंकि ये नीतिगत मामला है और ये सरकार के क्षेत्राधिकार के तहत आता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि किसी वर्तमान अधिकार के संरक्षण और नये अधिकार की उत्पति दोनों में फर्क है। आतंकी घटनाओं में मारे गए लोगों के परिवार के सदस्यों को दो फीसदी सरकारी नौकरी देना सरकार का नीतिगत मामला है। क्या कोर्ट इस संबंध में कोई आदेश दे सकती है। याचिका साऊथ एशियन फोरम फॉर पीपल अगेंस्ट टेरर नामक संगठन ने दायर किया था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता संगठन के वकील रमेश गुप्ता ने कहा कि वे सरकार की नाकामी से परेशान हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय समेत कई प्राधिकारों को पत्र लिखा है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अभी तक इसे लेकर कोई सार्वभौम नीति नयी बनायी गई है। आतंकी घटनाओं के पीड़ितों को न तो कोई चिकित्सा सहायता या रियायत दी जाती है और न ही सरकारी नौकरी। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि हमारे दिमाग में भी कई आइडिया आते हैं कि कैसे सरकार को सुधारा जाए। लेकिन क्या हम इन्हें लेकर दिशानिर्देश जारी कर सकते हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता संगठन को केंद्र और राज्य सरकार को प्रतिवेदन देने को कहा। कोर्ट ने संबंधित प्राधिकारों को निर्देश दिया कि वे प्रतिवेदन पर कानून सम्मत आदेश पारित करें।

अंतरराष्ट्रीय आर्म्स सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर नौ दबोचे

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उत्तर भारत में सक्रिय एक बड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए नौ को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि यह सिंडिकेट पाकिस्तान से नेपाल सीमा के रास्ते विदेशी हथियार भारत में मंगाकर दिल्ली-एनसीआर और उप्र के अपराधियों तक पहुंचाता था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 23 अत्याधुनिक हथियार, जिनमें विदेशी सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल शामिल हैं, तथा 92 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने इनसे 18 विदेशी/अत्याधुनिक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, 2 देशी शॉटगन, 3 देशी कट्टे और 6 अतिरिक्त मैगजीन बरामद की है। स्पेशल सेल के संयुक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाह ने बुधवार को बताया कि इस पूरे

नेटवर्क का संचालन फरार अपराधी शाहबाज अंसारी और उसके चाचा रेहान अंसारी कर रहे थे। शाहबाज राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के एक मामले में पैरोल जंपर है, जबकि रेहान अंसारी पहले से स्पेशल सेल के एक मामले में उद्घोषित अपराधी घोषित है। पुलिस के अनुसार पिछले करीब दो सप्ताह से स्पेशल सेल की ईस्टर्न रेंज टीम इस सिंडिकेट की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। तकनीकी निगरानी और खुफिया इनपुट के आधार पर दिल्ली व उत्तर प्रदेश में सिलसिलेवार छापेमारी की गई, जिसके बाद इस नेटवर्क की कई परतें खुलती चली गईं।

ऐसे खुला नेटवर्क का राजः14 अप्रैल को उस्मानपुर से फर्दीन नामक आरोपित को पकड़ा गया, जिसके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और नौ कारतूस मिले। पूछताछ में उसने बताया कि हथियार उसे वसीम मलिक के नेटवर्क से मिलते हैं। इसके बाद शास्त्री पार्क से वसीक को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से दो देशी शॉटगन, एक देसी कट्टा, 42 कारतूस और छह मैगजीन बरामद हुईं। जांच आगे बढ़ी तो सामने आया कि इस नेटवर्क में रोहिणी जेल में बंद वसीम मलिक भी सक्रिय भूमिका निभा रहा था। उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। उसके खुलासे पर पुलिस ने खुर्जा से अमन उर्फ अभिषेक को पकड़ा, जिसके पास से दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, दो देसी कट्टे और दो कारतूस बरामद किए गए। इसके बाद लोनी से आदिल को पकड़ा गया, जिसके मोबाइल में हथियारों की खरीद-फरोख्त से जुड़े चैट रिकॉर्ड मिले। 20 अप्रैल को जौनपुर निवासी मोहम्मद अहमद की गिरफ्तारी इस मामले में बड़ी सफलता साबित हुई। उसके कब्जे से 12 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, 39 कारतूस और हथियारों की मरम्मत व मॉडिफिकेशन के उपकरण मिले।

विदेशी पिस्टल सप्लाई करने वाले लिंक भी गिरफ्तारःजांच में खुलासा हुआ कि दिल्ली-एनसीआर में विदेशी हथियारों की सप्लाई का जिम्मा शाहबाज अंसारी के रिश्तेदार राहिल और इमरान संभालते थे। दोनों को 23 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया। वहीं अहमद के खुलासे पर आजमगढ़ निवासी विशाल को पकड़ा गया, जिसने पांच विदेशी पिस्टल लेने की बात कबूल की। उसके पास से तीन विदेशी सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद हुईं।

पाकिस्तान से नेपाल बॉर्डर के जरिए आती थीं खेपःस्पेशल सेल के अनुसार यह सिंडिकेट पाकिस्तान से विदेशी हथियारों की खेप नेपाल सीमा के रास्ते भारत में मंगाता था। इसके बाद हथियारों को अलग-अलग चैनलों के जरिए दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल के गैंगों तक पहुंचाया जाता था। आरोपित एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए संपर्क में रहते थे ताकि पुलिस की निगरानी से बच सकें। गिरफ्तार आरोपितों में कई ऐसे हैं जिन पर हत्या, लूट, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं के दर्जनों मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक नेटवर्क का मुख्य हैंडलर शाहबाज अंसारी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश में कई राज्यों में छापेमारी की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

भैया प्रधान के ईशान मैरिज हॉल पर नानकार में मचा बवाल, दावत में चली कुर्सियां-प्लेटें

थाना गंज क्षेत्र में कार्यक्रम के दौरान अफरा-तफरी, भगदड़ जैसा माहौल

मंडल प्रभारी अवनी कुमार शर्मा, रामपुर। थाना गंज क्षेत्र में आयोजित एक नानकार कार्यक्रम उस समय विवाद का केंद्र बन गया जब दावत के दौरान अचानक हंगामा खड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में मौजूद कुछ लोगों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए मारपीट में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद इतना उग्र हो गया कि मौके पर कुर्सियां चलने लगीं और प्लेटें भी फेंकी जाने लगीं, जिससे पूरे कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। दावत में शामिल लोग डर के कारण इधर-उधर भागने लगे और कुछ देर के लिए भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह नानकार कार्यक्रम भैया प्रधान के इशारे पर आयोजित किया गया था, और इसी दौरान कुछ लोगों के बीच पुरानी रंजिश या आपसी विवाद के चलते माहौल बिगड़ गया। कई लोगों ने आरोप लगाया कि प्रधान के करीबी लोगों के हस्तक्षेप के बाद विवाद और ज्यादा बढ़ गया। घटना के बाद कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं और बच्चों में भी दहशत फैल गई। मौके पर रखी कुर्सियां और खाने-पीने का सामान अस्त-व्यस्त हो गया। कार्यक्रम स्थल पर काफी देर तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर किसी तरह स्थिति को शांत कराया। वहीं घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल गर्म है। बताया जा रहा है कि मामले की सूचना पुलिस तक भी पहुंची है। यदि पीड़ित पक्ष की ओर से तहरीर दी जाती है तो पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल थाना गंज क्षेत्र में यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है।

बाबा साहब के संविधान की बदौलत आज हम खुले में सांस ले रहे हैं: महेंद्र आर्य

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः मंगलवार को क्षेत्र के ग्राम बुरावली में डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे, कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह आर्य ने बाबा साहब के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित कर तथा रिबन काटकर किया, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की बदौलत हम समानता का जीवन जी रहे हैं तथा खुले में सांस ले रहे हैं, हमें बाबा साहब के सिद्धांत संगठित रहो, संघर्ष करो, शिक्षित बनो को अपने जीवन में उतरना चाहिए, उन्होंने समाज के लोगों से अपने बच्चों को अधिक से अधिक पढ़ाने का आवाहन किया तथा समाज के बच्चों द्वारा विभिन्न सरकारी पदों पर आसीन होने को लेकर भी बधाई दी, वही आयोजक मंडल द्वारा मुख्य अतिथि अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य को पटका पहनाकर तथा बाबा साहब का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, इस मौके पर रागिनी गायक रुपेश वर्धन द्वारा रागिनी के माध्यम से बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डाला गया, वही अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य के साथ उनकी समस्त कार्यकारिणी भी मौजूद रही जिनका आयोजक मंडल द्वारा फूलमाला पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत व सम्मानित किया गया, वहीं मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह आर्य ने आयोजक मंडल तथा ग्राम वासियों का आभार व्यक्त किया, इस मौके पर अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य, सुशील भगत जी, मास्टर जगत सिंह, डॉ राकेश, बृजपाल, फतेहचंद, ललित कुमार, विनोद कुमार, अनुज कुमार, मिंटू सिंह, अंकुर कुमार, सरदार सिंह, धर्मेंद्र, पवन कुमार, सूरज सिंह, कमल सिंह आदि सहित भारी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे 1

नजीबाबाद में गैस संकट पर विधायक सख्त आपूर्ति व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद , नजीबाबाद में इंडेन गैस एजेंसी की खराब होती सिलेंडर आपूर्ति को लेकर आज बड़ा मुद्दा सामने आया। इस संबंध में नजीबाबाद विधायक हाजी तसलीम अहमद ने उपजिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह से उनके कार्यालय में मुलाकात की। बैठक में एजेंसी स्वामी रोहितराज सिंह, पूर्ति निरीक्षक धर्मेंद्र वर्मा और इंडेन ऑयल कॉरपोरेशन के फील्ड ऑफिसर भी मौजूद रहे। विधायक हाजी तसलीम अहमद ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में महिलाओं को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है, ऐसे में समय पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति न होना बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने अधिकारियों और एजेंसी संचालक को निर्देश दिए कि गैस वितरण व्यवस्था में तुरंत सुधार किया जाए। साथ ही जिन उपभोक्ताओं का केवाईसी नहीं हो पा रहा है, उनके लिए तहसील परिसर में विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। विधायक ने एजेंसी स्टाफ को उपभोक्ताओं के साथ अच्छा व्यवहार करने की भी हिदायत दी। इसके अलावा गोदाम पर भीड़ कम करने के लिए घर-घर गैस डिलीवरी बढ़ाने और प्रतिदिन कम से कम 800 सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अब देखना होगा कि इन निर्देशों के बाद नजीबाबाद में गैस संकट से लोगों को कितनी राहत मिलती है।

गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के मौके पर मंगरोला में हजारों की संख्या में पहुंचे लोग

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का हरदोई से उद्घाटन किया इस अवसर पर अमरोहा के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव मंगरोला में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में क्षेत्रीय लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया, मंगरोला में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी-बड़ी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया, अमरोहा के प्रभारी मंत्री के पी मालिक, सांसद कंवर सिंह तंवर, जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी, विधायक राजीव तरारा आदि अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, मंडल आयुक्त अनजनये कुमार कुमार, जिलाधिकारी नितिन गौड़, और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव समेत जिले के आला अधिकारी मौजूद रहे, प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने जनता को संबोधित करते हुए एक्सप्रेसवे के महत्व पर प्रकाश डाला वहीं विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने कहा कि 594 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे पश्चिम उत्तर प्रदेश को सीधे पूर्वी उत्तर प्रदेश से जोड़ेगा, उन्होंने कहा कि मेरठ से प्रयागराज की दूरी जहां पहले तेरे से 14 घंटे लगते थे अब मात्र 5 से 6 घंटे में पूरी की जा सकेगी, वही अमरोहा सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने भी जनता को संबोधित करते हुए कहा कि एक्सप्रेस वे के किनारे औद्योगिक गलियारा विकसित होने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे, इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष खड़कवंशी भी मौजूद रहे उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज निवेश और बुनियादी ढांचे के मामले में नई ऊंचाई को छू रहा है, उन्होंने इस डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी नीति का परिणाम बताया, इस दौरान भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई, इस मौके पर हसनपुर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर, पूर्व विधायक हरपाल सिंह, राजीव गोयल, देवेंद्र खड़कवंशी, पवन राज जाटव, सुरभित गुप्ता, संजय शर्मा, सुशील भगत जी आदि सहित भारी संख्या में महिला एवं पुरुष मौजूद रहे 1

बीजेपी जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष ने गंगा एक्सप्रेसवे वह बंगाल में हुई बंपर वोटिंग को लेकर रखे अपने विचार

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े एक्सप्रेस वे गंगा एक्सप्रेसवे का बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व योगी आदित्यनाथ ने विधिवत शुभारंभ किया जिसको लेकर बीजेपी जन कल्याण मंच अमरोहा के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा 594 किलोमीटर लम्बा एक्सप्रेसवे गंगा एक्सप्रेसवे देश को भाजपा सरकार द्वारा एक विशेष सौगात दी गई है उन्होंने कहा कि इस एक्सप्रेसवे से किसानो की उपज जल्दी ही दूसरे शहरों में पहुंचेगी तथा किसानों को वह सनातनियों को अब प्रयागराज जैसे तीर्थ जाने के लिए कम समय लगेगा वहीं उन्होंने समाजवादी पार्टी व अन्य विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के लोगों को भाजपा का विकास रास नहीं आ रहा उन्होंने कहा कि जनता जागरुक है जनता ने ऐसे लोगों को अब तक नकारा है आगे भी आने वाले चुनाव में विकास में रोड़ा बनने वाली विपक्षी पार्टियों को जनता नकार देगी, साथ ही बंगाल में हुए चुनाव में बंपर वोटिंग को लेकर उन्होंने दावा किया कि इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी तथा ममता राज का अंत होगा, उन्होंने कहा कि बंगाल में योगी, मोदी, अमित शाह जैसे वरिष्ठ नेताओं के सानिध्य में इस बार कमल खिलेगा जनता ने भाजपा पर भरोसा जताते हुए जमकर वोटिंग की है, वही असम में बीजेपी की सरकार भी बनने जा रही है 1

चेयरमैन आसिया मुशीर अली खान के नेतृत्व में वार्ड 20 में सीसी टाइल्स सड़क व नाली निर्माण कार्य पूरा

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। नगर पालिका परिषद के अंतर्गत वार्ड संख्या 20, बेगम सराय एवं पंजू, मुरादाबाद रोड स्थित विशाल मेगा मार्ट के समीप बहुप्रतीक्षित सीसी टाइल्स सड़क व नाली निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है और स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। नगरपालिका अध्यक्ष आसिया मुशीर अली खान के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शिता के चलते शहर में लगातार विकास कार्यों को गति मिल रही है। उन्होंने साफ-सफाई, जल निकासी और बेहतर सड़क व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए इस परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करवाया। वहीं, अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी की सक्रिय कार्यशैली और निगरानी के चलते निर्माण कार्य की गुणवत्ता भी सराहनीय रही। वार्ड सभासद रागिब अब्बासी ने भी क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाते हुए जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाया और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किया। उन्होंने बताया कि इस सड़क और नाली के निर्माण से जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी और आवागमन भी सुगम होगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लंबे समय से इस क्षेत्र में पक्की सड़क और नाली की मांग की जा रही थी, जिसे अब पूरा कर दिया गया है। लोगों ने चेयरमैन आसिया मुशीर अली खान और अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी की कार्यशैली की जमकर सराहना की। नगर पालिका प्रशासन द्वारा कराए गए इस विकास कार्य को शहर के समग्र विकास की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, जिससे आने वाले समय में अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार के कार्यों की उम्मीद बढ़ गई है।

चहुंमुखी विकास का आधार बने एक्सप्रेसवेः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लोकतंत्र की शान

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के सबसे बड़े गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दिसंबर 2021 में प्रधानमंत्री द्वारा रखी गई आधारशिला आज साकार रूप ले चुकी है। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे अन्नदाता किसानों की उन्नति, युवाओं के रोजगार, आस्था व संस्कृति के संरक्षण तथा उत्तर प्रदेश की समृद्धि का प्रमुख माध्यम साबित होगा। मेरठ से प्रयागराज तक फैले इस आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने 12 जनपदों के एक लाख से अधिक किसानों के योगदान से आकार लिया है। एक्सप्रेसवे के साथ-साथ 27 स्थानों पर इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल क्लस्टर और लॉजिस्टिक हब विकसित किए जा रहे हैं, जो न केवल आवागमन को तेज करेंगे बल्कि नए निवेश और रोजगार के द्वार भी खोलेंगे। डबल इंजन सरकार की दूरदर्शिता का प्रतीक यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि डबल इंजन सरकार का संकल्प है कि जिस परियोजना का शिलान्यास होगा, उसका उद्घाटन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

कोविड संकट में भी नहीं थमी रफ्तार-समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से प्रदेश के इस बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट 'गंगा एक्सप्रेसवे' का भव्य उद्घाटन आज संपन्न हो रहा है। प्रधानमंत्री जी ने दिसंबर 2021 में जिस एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखी थी, आज वही परियोजना लोकार्पण के साथ साकार रूप ले रही है। सीएम योगी ने हरदोई की पावन धरती को भगवान विष्णु के परम भक्त प्रह्लाद और नरसिंह अवतार से जुड़ी आस्था की भूमि बताते हुए कहा कि इसी पवित्र स्थल पर यह ऐतिहासिक अवसर प्राप्त होना गौरव का विषय है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर में भी भूमि अधिग्रहण से लेकर निर्माण कार्यों को निरंतर गति देने और समयबद्ध तरीके से परियोजना को पूरा करने का जो विजन प्रधानमंत्री जी ने प्रदेश को दिया था, आज वह पूरी तरह साकार होकर हमारे सामने है।

साहनपुर में भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन का ऐतिहासिक स्वागत, संगठन विस्तार और सामाजिक न्याय का बुलंद संदेश

» खुर्शीद मंसूरी के नेतृत्व में पार्टी के बढ़ते प्रभाव पर जोर, कार्यकर्ताओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

साहनपुर में उस समय उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला, जब भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन का नगर में भव्य आगमन हुआ। उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और क्षेत्र के गणमान्य लोग एकत्र हुए, जहां फूल-मालाओं और नारों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया गया। पूरा क्षेत्र "जय भीम" और "आजाद समाज पार्टी जिंदाबाद" के नारों से गूंज उठा। यह कार्यक्रम केवल एक स्वागत समारोह नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और जनहित के मुद्दों को आगे बढ़ाने का एक मजबूत संदेश भी बनकर सामने आया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि यह आंदोलन अब केवल एक संगठन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों की आवाज बन चुका है। इस अवसर पर विवेक सेन, शाहबाज खान, आबिद, ग़ज़नफ़र अली, इक़बाल मेंबर, मुस्तकीम मेंबर, क़ासिम मेंबर, नसीम एडवोकेट, फुरकान, नौशाद सरवरी, वसीम मंसूरी, इमरान मंसूरी, नवाब मेंबर और पप्पू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की उपस्थिति रही, जिन्होंने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। अपने संबोधन में भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन ने आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की नीतियों और विचारधारा की सराहना करते हुए कहा कि पार्टी आज समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आवाज बनकर उभर रही है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का आंदोलन है, जो हर वर्ग को समान अधिकार दिलाने के लिए निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विशेष रूप से नगीना लोकसभा क्षेत्र से सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आज़ाद के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में संगठन दिन-प्रतिदिन मजबूत हो रहा है और देशभर में तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में पार्टी को और अधिक जनसमर्थन मिलेगा और यह एक मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरेगी। कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूत करने, अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने पर भी चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और सभी ने एकजुट होकर संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। अंत में कार्यक्रम आयोजकों की ओर से सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया गया और सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद किया गया।

एक्सप्रेसवे के पास लिंक रोड की बदहाली पर ज्ञापन देने जा रहे भाकियू अध्यक्ष हाउस अरेस्ट

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः बुधवार को उत्तर प्रदेश में गंगा एक्सप्रेसवे के पास लिंक रोड की बहाली को लेकर ज्ञापन देने जा रहे भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिग्विजय सिंह भाटी को पुलिस ने नज़र बंद कर दिया, यह घटना हसनपुर के गांव को जोड़ने वाले मुख्य संपर्क मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई, पुलिस ने कानून व्यवस्था और सुरक्षा प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए डॉक्टर भाटी को उनके घर पर ही हाउस अरेस्ट कर लिया, वही डॉक्टर भाटी ने बताया कि सड़कों के खराब होने के कारण किसान अपनी उपज मंडियों तक नहीं ले जा पा रहे जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ रहा है, उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध को रोकने के लिए उन्हें नजर बंद किया गया है, वही संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्दी ही सड़कों की स्थिति नहीं सुधरी तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, इस दौरान डॉक्टर दिग्विजय सिंह भाटी, सोनू गुर्जर, देवेंद्र यादव, धर्मपाल यादव, नदीम चौधरी, अभिषेक त्यागी, अमरजीत गुर्जर, रूम सिंह खड़कवंसी, नन्हे यादव आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे 1

रामपुर भगवान परशुराम चौक का हुआ लोकार्पण जोधपुर के पुल के पार राम दरबार चौक राम और बीच में रहीम

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा, रामपुर के तत्वावधान में सिविल लाइन्स स्थित भगवान परशुराम चौक पर भगवान परशुराम के दिव्य स्वरूप का लोकार्पण संगठन के प्रदेश अध्यक्ष त्रिभुवन शर्मा और राष्ट्रीय मंत्री डॉ मुनीश चन्द्र शर्मा एवं जिलाध्यक्ष सौरभ पाठक की उपस्थिति में शहर विधायक माननीय आकाश सक्सेना जी के द्वारा किया गया। सर्वप्रथम पंडित अंकुर शर्मा, कौशल मिश्रा और अतुल मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चारण द्वारा भगवान परशुराम का पूजन अर्चन कराया। तत्पश्चात जिलामहामंत्री अभिषेक शर्मा ने सभी अतिथियों का तिलक लगाकर और पटका पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर शहर विधायक आकाश सक्सेना ने कहा कि भगवान परशुराम एक महान योद्धा और धर्म के रक्षक थे। उन्होंने समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ संघर्ष किया और धर्म की स्थापना की।उन्होंने कहा कि आज हमें भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है और समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ खड़े होने की जरूरत है !भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार जी ने कहा कि ऐसे महापुरुषों के चौक शहर के हर चौराहे पर बनने चाहिए ये समाज मे हमारे आदर्शों को याद रखने का एक माध्यम भी है ! अनिल वशिष्ठ जी ने कहा कि हमारे जीवन में आज यह चौक बन गया जिसकी हमेशा से दिल में एक चाहत थी हमारे जीवन में यह एक बहुत सुनहरा पल आया है जिसके लिए माननीय विधायक जी का बहुत-बहुत धन्यवाद दिया त्रिपुरेश्वरी शक्तिपीठ के संस्थापक राधेश्याम वसन्तेय जी ने ब्राह्मणों की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों को आज भी समाज में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों को एक साथ मिलकर इन चुनौतियों का सामना करने की जरूरत है।

रामपुर में श्री बालाजी समिति के तत्वाधान में निकली भव्य शोभायात्रा, माता काली की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

» श्रद्धा, भक्ति और जयकारों से गूंज उठा पूरा नगर, धर्मशाला पर संपन्न हुई यात्रा

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। श्री बालाजी समिति रजिस्टर्ड रामपुर के तत्वाधान में रामपुर नगर में धार्मिक आस्था और भक्ति के रंग में रंगी भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा रामपुर के मोहल्ला खारी कुंआ से बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव के साथ प्रारंभ हुई। शोभायात्रा का शुभारंभ समिति के सब प्रथम महान श्री युत राजीव नंदन अग्रवाल एवं संस्थापक संयोजिका विमल अग्रवाल के द्वारा किया गया। इस दौरान राजीव नंदन अग्रवाल द्वारा फीता काटकर तथा नारियल फोड़कर विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शोभायात्रा को रवाना किया गया। शोभायात्रा के प्रारंभ होते ही पूरा क्षेत्र श्री बालाजी के जयकारों, ढोल-नगाड़ों और भक्तिमय संगीत से गूंज उठा। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं, बच्चे और नगर के गणमान्य लोग शामिल हुए। महिलाएं भजन गाते हुए शोभायात्रा में आगे-आगे चल रही थीं, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

माता काली की झांकी बनी शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण-इस शोभायात्रा में कई देवी-देवताओं की भव्य झांकियां शामिल रहीं, जिनमें माता काली की झांकी सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र बनी रही। माता काली के स्वरूप कलाकारों ने जिस तरह से अपने तांडव नृत्य और भावपूर्ण अभिनय से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया, उसे देखकर लोग बार-बार जयकारे लगाने लगे। आम जनता के बीच माता काली का तांडव प्रदर्शन अत्यंत सुंदर और भावनात्मक रहा, जिसने हर किसी का दिल जीत लिया। श्रद्धालुओं का कहना था कि ऐसी भव्य और अनुशासित शोभायात्रा रामपुर नगर में बहुत कम देखने को मिलती है। माता काली की झांकी के साथ-साथ अन्य झांकियां भी आकर्षक और भव्य रहीं।

इन झांकियों ने बढ़ाई शोभायात्रा की शोभा-शोभायात्रा में प्रथम गणेश जी, भगवान राम, माता काली, भगवान विष्णु, लक्ष्मी नारायण, हनुमान जी, महाकाल, एवं बालाजी दरबार की सुंदर झांकियां निकाली गईं। झांकियों में रंग-बिरंगी सजावट, भव्य वेशभूषा और धार्मिक संदेशों की झलक ने शोभायात्रा को और अधिक यादगार बना दिया।

संक्षिप्त समाचार

सहरसा में LPG आपूर्ति सुचारु, सिटी गैस परियोजना ने पकड़ी रफ्तार

लोकतंत्र की शान : सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा जिले में रसोई गैस (LPG) की उपलब्धता और सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (CGD) परियोजना की प्रगति को लेकर जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। प्रशासन द्वारा उपभोक्ताओं को निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ आधुनिक ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विस्तार पर लगातार कार्य किया जा रहा है।

सिटी गैस परियोजना में उल्लेखनीय प्रगति-जिले में CNG और PNG नेटवर्क के विस्तार में अहम उपलब्धियां हासिल की गई हैं। अब तक 45 इंच किमी स्टील पाइपलाइन और 65 किमी MDPE पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। साथ ही घरों तक गैस पहुंचाने के लिए 1500 मीटर लास्ट माइल कनेक्टिविटी (LMC) का कार्य भी पूरा हो गया है। 21 अप्रैल 2026 को स्टील नेटवर्क का गैसीकरण सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। वर्तमान में मेसर्स होली फ्यूल पर ऑनलाइन CNG सुविधा संचालित है। घरेलू पाइप प्राकृतिक गैस (D-PNG) की सुविधा शुरू करने के लिए डिस्ट्रिक्ट रेगुलेटिंग स्टेशन (DRS) की कमीशनिंग 2 मई 2026 को प्रस्तावित है, जिसके बाद उपभोक्ताओं को सीधे पाइप के जरिए गैस मिलने लगेगी।

LPG वितरण की स्थिति संतोषजनक-जिले में विभिन्न गैस एजेंसियों के माध्यम से LPG सिलेंडरों की आपूर्ति सुचारु रूप से की जा रही है।

एचपी गैस (HP Gas): 1993 बुकिंग के मुकाबले 2122 सिलेंडरों की सफल डिलीवरी की गई। वर्तमान में 3988 भरे हुए सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है। औसत बैकलॉग लगभग 3.77 दिन है।

भारत गैस (Bharatgas): 1321 बुकिंग दर्ज की गई, जिनमें से 1274 सिलेंडरों की डिलीवरी की गई। वर्तमान स्टॉक 3448 भरे हुए सिलेंडरों का है। औसत बैकलॉग 3.4 दिन है। जिला प्रशासन ने सभी वितरकों को निर्देश दिया है कि लंबित बुकिंग का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करें। प्रशासन का मानना है कि सिटी गैस परियोजना के विस्तार से भविष्य में जिले की ऊर्जा निर्भरता और अधिक सुदृढ़ होगी।

'ऑपरेशन मुस्कान' से 731 मोबाइल मिले, पुलिस ने मालिकों को लौटाए फोन, कई थानों में चला

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत गुम हुए मोबाइल फोन उनके धारकों को लौटा दिए हैं। इस वर्ष कुल 731 मोबाइल फोन बरामद कर सौंपे गए हैं।यह कार्रवाई वैशाली जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम हुए मोबाइलों पर की गई। इनमें हाजीपुर सदर, नगर, गंगाब्रिज, काजीपुर, भगवानपुर, सराय, गरौल, बिदुपुर, राजापाकड़, महुआ, जंदाहा, महनार, देसरी, पातेपुर, महिषौर और कटहरा सहित कई थाने शामिल हैं।वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने बताया कि बिहार पुलिस मुख्यालय के आदेश पर 'ऑपरेशन मुस्कान' लगातार चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य खोए या गुम हुए मोबाइल फोन को ढूंढकर उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाना है। एसपी सिहाग ने बताया कि इस वर्ष जनवरी में 200, फरवरी में 164, मार्च में 165 और अप्रैल में 202 मोबाइल फोन बरामद कर लौटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मोबाइल गुम हो जाने पर लोगों में निराशा का माहौल बन जाता है। ऐसे में वैशाली पुलिस द्वारा फोन बरामद कर उन्हें राहत पहुंचाई जाती है। पुलिस, जनता के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए वैशाली पुलिस लगातार प्रयासरत है।

सोनपुर मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान, 3344 यात्रियों से 22.40 लाख का जुर्माना वसूला

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। सोनपुर मंडल में हाल ही में वाणिज्य विभाग द्वारा एक व्यापक मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत बिना टिकट या अनियमित टिकट के साथ यात्रा कर रहे 3344 यात्रियों को पकड़ा गया, जिनसे कुल 22,40,330 रुपए का राजस्व जुर्माने के रूप में वसूला गया। यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन के कुशल निर्देशन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार के मार्गदर्शन में संचालित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों में रेलवे नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और वैध टिकट के साथ यात्रा सुनिश्चित करना था। अभियान के दौरान मंडल के विभिन्न प्रमुख स्टेशनों और ट्रेनों में सघन जांच की गई। मंडल की विभिन्न टिकट जांच टीमों ने समन्वित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इसके अतिरिक्त, चालू माह में अब तक सोनपुर मंडल द्वारा कुल 50,321 मामलों में 3,18,61,550 रुपए का राजस्व अर्जित किया जा चुका है। यह आंकड़ा टिकट जांच अभियानों की निरंतर प्रभावशीलता और रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसी क्रम में, बरौनी जंक्शन पर एक विशेष मैजिस्ट्रेट टिकट चेकिंग अभियान भी चलाया गया। इस दौरान 32 बिना टिकट या अनियमित यात्रियों को पकड़ा गया और उनसे 12,335 रुपए का जुर्माना वसूला गया। सोनपुर मंडल ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के सघन टिकट जांच अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे। यात्रियों से अपील की गई है कि वे वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें और रेलवे के नियमों का पालन कर सहयोग प्रदान करें।

चौकीदार के बेटे ने खाकी पहन बनाई रील

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र एक बार फिर चर्चा में है। इस बार वजह कानून-व्यवस्था नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर वायरल एक रील वीडियो है। वीडियो में थाना के चौकीदार विपिन पासवान का बेटा रौशन कुमार खाकी वर्दी में भोजपुरी गानों पर रील बनाते दिख रहा है। इसमें थाना की गश्ती गाड़ी भी स्पष्ट नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि रौशन कुमार कई बार अपने पिता की जगह ड्यूटी भी करता है। यह वीडियो स्थानीय लोगों के बीच तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि, वायरल वीडियो कब की है, इसकी पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। गौरतलब है कि हाल ही में बिहार पुलिस मुख्यालय ने रील बनाने वाले पुलिसकर्मियों पर सख्त रुख अपनाया था। मुख्यालय ने करीब 50 कर्मियों की सूची जारी कर संबंधित जिलों के एसपी को कार्रवाई का निर्देश दिया था। इसके बावजूद ऐसे मामले सामने आना कई सवाल खड़े करता है। लोगों का कहना है कि पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी खाकी की गरिमा बनाए रखना है। जब वर्दी का उपयोग सोशल मीडिया पर दिखावे के लिए किया जाता है, तो कानून के रखवालों की छवि प्रभावित होती है। अब देखना यह है कि इस वायरल रील के मामले में प्रशासन द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है।

स्कूल चोरी, 4 गिरफ्तार, 9 पंखे-प्रिंटर बरामद

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र में विद्यालयों में हुई चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में मुख्य सरगना सहित चोरी का सामान खरीदने वाले कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने चोरी के कई सामान भी बरामद किए हैं। महनार एसडीपीओ प्रवीण कुमार ने मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि सहदेई थाना क्षेत्र के कन्या उच्च विद्यालय में लगातार चोरी की वारदातें सामने आ रही थीं। इन मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी। जांच के दौरान कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी सतीश कुमार और मंजीत कुमार को गिरफ्तार किया। उनसे मिली जानकारी के आधार पर चोरी का सामान खरीदने के आरोप में पवन कुमार और सरोज कुमार शर्मा को भी पकड़ा गया। पुलिस ने इनके पास से चोरी के 9 पंखे और एक प्रिंटर बरामद किया है। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी सहदेई थाना क्षेत्र के ही निवासी हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि मंजीत कुमार और पवन कुमार को दो दिन पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इस गिरोह में शामिल एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

स्कूली बच्चों से बेंच-डेस्क ढुलवाया

लोकतंत्र की शान, मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के एक सरकारी स्कूल के बच्चों से बेंच-डेस्क ढुलवाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह घटना कुढ़नी प्रखंड स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय सोनवर्षा की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि स्कूल परिसर के बाहर खड़ी एक जुगाड़ गाड़ी से छोटे-छोटे बच्चे बेंच-डेस्क उतारकर उन्हें नए भवन तक ढो रहे हैं। बच्चों ने स्कूल ड्रेस पहन रखी है और उनसे मजदूरों की तरह काम कराया जा रहा है।

'बिहारियों को गोली मार रही मोदी की पुलिस'

मांझी के 'मार दिया तो मार दिया' बयान पर भड़के तेजस्वी, बोले-अब नहीं गाएंगे 'सिक्सर के 6 गोली'

लोकतंत्र की शान, पटना

'मार दिया तो मार दिया, कौन सी बड़ी बात है...' यह बयान किसी आम व्यक्ति का नहीं, बल्कि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का है। दिल्ली में बिहार के खगड़िया निवासी युवक पांडव कुमार की हत्या हुई। परिवार इंसाफ की गुहार लगा रहा है, लेकिन इस दर्दनाक घटना पर केंद्रीय मंत्री के इस बयान ने सियासी हलचल बढ़ा दी। मांझी के इस बयान ने मृतक के परिवार के जख्मों को और गहरा कर दिया है। एक तरफ घरवालों ने अपना बेटा खोया है। दूसरी तरफ सत्ता में बैठे मंत्री की ओर से ऐसे शब्द सामने आए हैं, जिसने लोगों की भावनाओं को गुस्से में बदल दिया है। जीतन राम मांझी अपने इस बयान पर घिरते जा रहे हैं। इस बीच बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मांझी पर जोरदार हमला बोला है। तेजस्वी ने मांझी के बयान को "बेहद घटिया" बताते हुए उनसे माफी मांगने कहा है।

तेजस्वी यादव बोले- घटिया बयान है, माफी मांगे मांझी: तेजस्वी यादव ने कहा, '21 सालों से बिहार में NDA की सरकार है। जिस युवक की हत्या हुई, उसकी उम्र भी 21 वर्ष है। सरकार यह सारा आरोप हम लोगों पर लगाने का काम कर रही है। इसके लिए भी हम लोगों को ब्लेम किया जा रहा है। यह बहुत ही घटिया बयान है। उन्हें अपने इस बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए।'

तेजस्वी बोले- मोदी जी की पुलिस बिहारी को गोली मार रही: तेजस्वी यादव यहीं नहीं रुके। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आड़े हाथों घेर लिया। तेजस्वी ने कहा- 'दिल्ली में बिहारी बोलने पर छाती में गोली मार दी जा रही है।'

बिहारी युवक को गोली मारने पर मांझी का विवादित बयान: केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा था कि, 'दिल्ली में बिहार का युवक मारा गया है। कोई ऐसी बात होगी तो इसकी जांच की जाएगी। जांच के बाद अगर कोई दोषी होगा तो उस पर आवश्यक कार्रवाई होगी। इसमें कौन बड़ी बात है भाई, मार दिया तो मार दिया। कोई ऐसे ही जानबूझकर किसी को नहीं मार देता है। इसकी जांच होगी। अगर सचमुच में किसी निर्दोष को मारा गया है तो मारने वालों को सजा होगी।'

बयान पर घिरने के बाद X पोस्ट कर जताया दुख: विवादित बयान देने के बाद जब अपने बयान पर जीतन राम मांझी घिरने लगे तो उन्होंने रात सोशल मीडिया साइट X पोस्ट कर घटना पर दुख जताया। मांझी ने लिखा कि, 'दिल्ली के उत्तम नगर में हुई डिलीवरी बॉय पाण्डव कुमार की हत्या अत्यंत दुःखद है। बिहार के मेहनतकश और स्वाभिमानी युवाओं के साथ हुई इस अन्यायपूर्ण घटना ने मुझे बहुत आहत किया है। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को हर हाल में न्याय मिले यह हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेकुलर) की पहली प्राथमिकता है।'

परिजनों को 8 लाख मुआवजे का ऐलान: दिल्ली के द्वारिका जिला स्थित जाफरपुर कला थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग में बिहार के मजदूर की मौत हो गई थी। CM सम्राट चौधरी ने मजदूर की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने मृतक के आश्रितों को कुल 8 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। मृतक के आश्रितों को श्रम संसाधन विभाग के तरफ से 4 लाख देने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री राहत कोष से भी 4 लाख मिलेंगे।

स्कूल से लौट रही 5 साल की बच्ची से दुष्कर्म

लोकतंत्र की शान ,पटना। पटना जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार शाम स्कूल से घर लौट रही 5 साल की मासूम बच्ची के साथ नाबालिक आरोपी ने दुष्कर्म की घटना सामने आई है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत मिलते ही कार्रवाई करते हुए देर शाम ही आरोपी नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, बच्ची रोज की तरह मंगलवार को भी गांव के स्कूल में पढ़ने गई थी। स्कूल से घर लौटते समय गांव के ही एक किशोर उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद बच्ची घायल अवस्था में किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को पूरी बात बताई। जानकारी मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। परिजन तुरंत बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पालीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी किशोर को उसके गांव से ही गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी सुमन कुमार ने बताया कि, 'बच्ची की मां के लिखित आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

जिला पदाधिकारी के निर्देश पर सहरसा में सघन वाहन जांच अभियान 2.35 लाख का जुर्माना वसूला गया

लोकतंत्र की शान, पटना

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिला पदाधिकारी सहरसा के निर्देश पर जिला परिवहन कार्यालय द्वारा विशेष वाहन जांच अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया। इस अभियान में जिला परिवहन पदाधिकारी सुजीत बरनवाल, अपर जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटर यान निरीक्षक एवं सभी प्रवर्तन पदाधिकारी शामिल रहे। जांच के दौरान मोटरसाइकिल, ई-रिक्शा, ऑटो रिक्शा, कार, पिकअप और ट्रैक्टर सहित विभिन्न वाहनों की सघन जांच की गई। इस दौरान वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र (PUC) और फिटनेस प्रमाणपत्र की गहन जांच की गई। सिमरी बख्तियारपुर क्षेत्र में चलाए गए इस अभियान के तहत विभिन्न वाहनों पर कुल 2 लाख 35 हजार रुपये का अर्थदंड/शमन किया गया। यह अभियान यातायात नियमों के कड़ाई से अनुपालन और सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से चलाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी सुजीत बरनवाल ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे अपने सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें और यातायात नियमों का पालन करें। उन्होंने यह भी कहा कि आगे भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

दिल्ली में बिहारी छात्र की हत्या का आक्रोश पटना यूनिवर्सिटी में श्रद्धांजलि सभा

लोकतंत्र की शान, पटना

दिल्ली में बिहारी छात्र की हत्या को लेकर आज पटना यूनिवर्सिटी कैंपस में छात्रों ने श्रद्धांजलि सभा बुलाई। छात्रों ने राज्य और केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। उनका कहना है, यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि बिहारियों के प्रति समाज में घर कर रही नफरत और सरकारों की विफलता का प्रमाण है। अगर इस घटना में जल्दी कार्रवाई नहीं होगी, तो हम बिहार सरकार के खिलाफ में विरोध मार्च निकालेंगे और कारगिल चौक को जाम करेंगे।

नेताओं की चुप्पी और सामूहिक विफलता: छात्र आदित्य ने कहा, बिहार के लोगों को मारा जाना या उनकी हत्या होना अब एक दुखद सिलसिला बन गया है। उन्होंने इसे पूरे बिहार का 'कलेक्टिव फेलियर' यानी सामूहिक विफलता बताया। आदित्य का मानना है कि इस प्रताड़ना के पीछे सबसे बड़ा कारण हमारे नेताओं का डरपोक होना और आवाज न उठाना है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, अगर शासन की मंशा साफ हो, तो एक फोन कॉल पर इंसाफ मिल सकता है, लेकिन सत्ता में बैठे लोग जानबूझकर इस पर मौन साधे हुए हैं।

पहचान के नाम पर हिंसा और पलायन का दर्द: छात्र अभिषेक ने देश की वर्तमान स्थिति को अत्यंत दयनीय बताया। उन्होंने कहा, पहले मुंबई और गुजरात में बिहारियों को निशाना बनाया गया और अब दिल्ली में भी वही दोहराया जा रहा है। अभिषेक के अनुसार, अब हालत यह हो गई है कि लोग बस 'बिहारी' पहचान जानकर गोली मार देते हैं। उन्होंने व्यवस्था पर तंज कसते हुए कहा कि देश में धर्म और जाति की राजनीति तो हो ही रही थी, अब 'बिहारी बनाम अन्य' की राजनीति भी शुरू हो गई है।

छात्रों ने कहा- न्याय नहीं मिला तो विरोध मार्च निकालेंगे, गांधी मैदान करेंगे जाम

नेताओं को बिहार के युवाओं से नहीं है कोई मतलब: अभिषेक ने बिहार सरकार की कार्यप्रणाली को 'निंदनीय' बताते हुए कहा कि जो लोग मजबूरी में काम के लिए बाहर जाते हैं, उन्हें वहां अपमानित होना पड़ता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब केंद्र और बिहार दोनों जगह बीजेपी की सरकार है और राज्य के पास 40 सांसद हैं, तब भी बिहारियों को सुरक्षा क्यों नहीं मिल रही? छात्रों का आरोप है कि सरकार को युवाओं के भविष्य में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे ऐसी घटनाओं को सिर्फ एक बड़ी खबर मानकर ठंडे बस्ते में डाल देते हैं।

पलायन रोकने और न्याय की मांग: छात्रों ने सरकार से अपील करते हुए कहा कि अब तो हम लोगों को बख्श दीजिए। उनकी मांग है कि बिहार में रोजगार के अवसर पैदा किए जाएं ताकि पलायन रुके और किसी को बाहर जाकर 'जूता-लात' न खाना पड़े। साथ ही, उन्होंने दिल्ली की घटना में शामिल हेड कांस्टेबल और अन्य दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

पूर्व नगर थानाध्यक्ष अभिषेक रंजन ईओयू दफ्तर पहुंचे

लोकतंत्र की शान, पटना

किशनगंज के पूर्व नगर थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने उन्हें आय से अधिक संपत्ति मामले में पूछताछ के लिए पटना स्थित अपने कार्यालय में तलब किया है। अभिषेक कुमार रंजन आज सुबह करीब 11 बजे आर्थिक अपराध इकाई (EOU) के दफ्तर पहुंचे, जहां उनसे इओयू पूछताछ कर रही है। अभिषेक कुमार रंजन पर आय से 118 प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक, ईओयू ने अभिषेक से पूछताछ करने के लिए करीब 50 से ज्यादा सवालों की लिस्ट बनाई है। EOU की 5 अलग-अलग टीम ने 14 अप्रैल 2026 को अभिषेक के 5 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। पटना, छपरा, सिलीगुड़ी और मुजफ्फरपुर में करोड़ों के बंगले और जमीन के निवेश का EOU ने छापेमारी के दौरान खुलासा किया था।

16 साल के सेवा काल में लगभग 50 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति: सूत्रों के अनुसार, अभिषेक कुमार रंजन पर अपने 16 साल के सेवा काल में लगभग 50 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति अर्जित करने का गंभीर आरोप है। जांच एजेंसी को संदेह है कि उन्होंने पद का दुरुपयोग कर यह संपत्ति जुटाई है। ईओयू अब उनकी आय के स्रोतों और संपत्तियों के नेटवर्क की जांच कर रही है। ईओयू की पूछताछ में कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अवैध संपत्ति का नेटवर्क कितना बड़ा है और इसमें किन-किन लोग शामिल हैं। आने वाले दिनों में इस मामले में और भी कई खुलासे होने की संभावना है।

निलंबित SDPO के सहयोगी रहे हैं अभिषेक रंजन: यह मामला तब सामने आया जब किशनगंज के निलंबित एसडीपीओ गौतम कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच चल रही थी। उसी दौरान अभिषेक रंजन का नाम भी जांच के दायरे में आया। जांच में संकेत मिले कि अभिषेक रंजन, गौतम कुमार के करीबी सहयोगी रहे हैं। ईओयू की प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि थानाध्यक्ष के स्थानीय बालू माफिया, एंट्री माफिया, शराब माफिया और तस्करों से गहरे संबंध थे। इस अवैध कमाई को जमीन, मकान और अन्य बेनामी संपत्तियों में निवेश किया गया।

♦ आय से 118 प्रतिशत अधिक संपत्ति को लेकर पूछताछ जारी, बड़े नेटवर्क का खुलासा संभव

पश्चिम बंगाल, दिल्ली सहित कई जगहों पर है संपत्ति: जांच एजेंसी को मुजफ्फरपुर के कांटी क्षेत्र सहित पश्चिम बंगाल, दिल्ली एनसीआर और अन्य स्थानों पर उनकी संपत्तियों की जानकारी मिली है। इसमें सिलीगुड़ी में एक फ्लैट और दार्जिलिंग रोड पर खरीदी गई जमीन भी शामिल है। इन संपत्तियों के भुगतान के स्रोत और लेन-देन के दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जा रही है।

2009 में बिहार पुलिस में मिली थी पोस्टिंग: अभिषेक कुमार रंजन 2009 में बिहार पुलिस में दारोगा के रूप में नियुक्त हुए थे। उन्होंने मोतिहारी, पटना और किशनगंज जैसे जिलों में सेवाएं दीं। वर्ष 2023 में उन्हें पदोन्नत कर पुलिस निरीक्षक बनाया गया था।

औरंगाबाद में पटना के युवक की मिली लाश, ससुराल से 1 किमी दूर पड़ी थी बॉडी

लोकतंत्र की शान, पटना

औरंगाबाद में एक युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत हुई है। ससुराल से 1 किमी दूर आम के पेड़ के नीचे लाश मिली है। मृतक पटना के बाढ़ का रहने वाला गोविंद विश्वकर्मा (31) है। गोविंद विश्वकर्मा गया शहर में गांधी मैदान के पास एक फर्नीचर दुकान पर काम करता था और पिछले कुछ वर्षों से वहीं रहकर जीविका चला रहा था। 27 अप्रैल की शाम फर्नीचर दुकान में उसने अपनी बाइक खड़ी की थी। उसने दुकानदार दयानंद को कहा था कि 10 मिनट में चाय पीकर आ रहा हूं, पर वो देर शाम तक नहीं लौटा। घटना की जानकारी दुकानदार ने परिजन को दी। 28 अप्रैल को कुछ छात्र रास्ते से गुजर रहे थे, उन्होंने गोविंद की लाश देखी और स्थानीय लोगों को बताया। जिसके बाद परिजन को भी जानकारी हुई। आज लाश का पोस्टमॉर्टम हुआ है। घटना फीगंज थाना क्षेत्र के सिमरा जमशेद गांव के पास की है। मृतक के साले विक्रम ने बताया कि गोविंद अपने ससुराल पक्ष के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया जिले के भदईया गांव गया हुआ था, जहां उसके पत्नी का ननिहाल था। वहां मामा सनोज विश्वकर्मा की बेटी की शादी थी। 25 अप्रैल को वहां बारात आई थी, जिसमें परिवार के सभी लोग शामिल हुए थे। शादी के बाद भी गोविंद 2 दिनों तक वहीं रुका रहा। 26 अप्रैल की रात परिवार के लोगों ने एक साथ बैठकर खाना-पीना किया।

गयाजी में फर्नीचर की दुकान में करता था काम

पटना में खोले जा रहे सबसे ज्यादा म्यूल अकाउंट

लोकतंत्र की शान, पटना

साइबर ठगी के खिलाफ बिहार पुलिस ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू कर दी है। मंगलवार को 'साइबर प्रहार 3.0' के तहत साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई (CCSU) ने 5036 म्यूल यानी फर्जी बैंक खातों की पहचान की है। इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठग ठगी की रकम को इधर-उधर ट्रांसफर करने में करते थे। यह कार्रवाई नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज 5078 शिकायतों के आधार पर की गई है। पुलिस का कहना है कि इन खातों के जरिए साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क चल रहा था, जिसे अब तोड़ने की तैयारी है। जांच में सामने आया है कि ये फर्जी खाते वर्ष 2025-26 में खोले गए थे। इस संबंध में 22 बैंक शाखाओं को चिह्नित किया गया है, जहां सबसे अधिक म्यूल खाते खुले हैं। इन शाखाओं में कार्यरत संदिग्ध बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन खातों को खोलने में लापरवाही बरती गई या जानबूझकर नियमों की अनदेखी की गई। इस अभियान का लक्ष्य सिर्फ खाताधारकों पर कार्रवाई नहीं, बल्कि पूरे साइबर ठगी नेटवर्क को खत्म करना है। इसमें बैंकिंग सिस्टम से जुड़े लोग, फर्जी सिम सप्लायर और संगठित गिरोह भी जांच के दायरे में हैं। इससे पहले चलाए गए 'साइबर प्रहार 2.0' अभियान में भी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली थी। उस दौरान राज्य भर में 1216 संदिग्ध खातों की पहचान की गई, 122 मामले दर्ज हुए और 234 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

बिहार बीजेपी की नई प्रदेश कमिटी बनकर तैयार

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार में भारतीय जनता पार्टी की नई प्रदेश कमेटी का गठन लगभग हो चुका है। अब इसकी आधिकारिक घोषणा के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व की अंतिम सहमति का इंतजार है। जैसे ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी मिलती है, नई प्रदेश कमेटी की घोषणा कर दी जाएगी। संगठन के भीतर इसे लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है, क्योंकि इस बार कई बड़े बदलावों के संकेत मिल रहे हैं।

युवा और अनुभव का संतुलन: सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के नेतृत्व में तैयार की गई इस नई कमेटी में युवाओं को खास प्राथमिकता दी गई है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि बदलते राजनीतिक परिदृश्य में युवा चेहरों को आगे लाना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि 50 वर्ष से कम आयु के कई नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दिए जाने की चर्चा है। हालांकि, केवल युवाओं पर ही जोर नहीं दिया गया है, बल्की पार्टी उन अनुभवी नेताओं को भी जगह देने जा रही है जो लंबे समय से संगठन के लिए काम करते आ रहे हैं। इससे संगठन में ऊर्जा और अनुभव दोनों का संतुलन बने रहने की उम्मीद है।

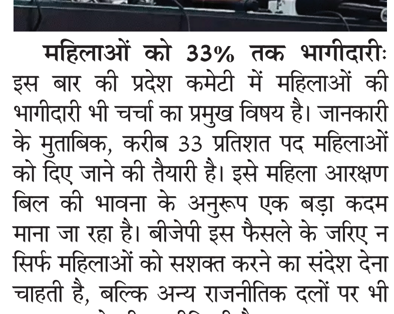

महिलाओं को 33% तक भागीदारी: इस बार की प्रदेश कमेटी में महिलाओं की भागीदारी भी चर्चा का प्रमुख विषय है। जानकारी के मुताबिक, करीब 33 प्रतिशत पद महिलाओं को दिए जाने की तैयारी है। इसे महिला आरक्षण बिल की भावना के अनुरूप एक बड़ा कदम माना जा रहा है। बीजेपी इस फैसले के जरिए न सिर्फ महिलाओं को सशक्त करने का संदेश देना चाहती है, बल्कि अन्य राजनीतिक दलों पर भी दबाव बनाने की रणनीति भी है।

जातीय-सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश: बिहार की राजनीति में सामाजिक और जातीय समीकरणों का बड़ा महत्व रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए नई कमेटी में विभिन्न वर्गों और समुदायों को संतुलित प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की गई है। पार्टी का लक्ष्य है कि हर वर्ग को संगठन में अपनी भागीदारी महसूस हो।

नई कमेटी में महिलाओं को 33 फीसदी हिस्सेदारी, युवाओं को मिलेगीबड़ी जिम्मेदारी

जंबो नहीं, पहले से छोटी होगी कमेटी: जानकारी के मुताबिक, बीजेपी की नई प्रदेश कमेटी जंबो के बजाए छोटी होने के संकेत मिल रहे ।बीजेपी की घोषित होने वाली कमेटी पिछली बार की अपेक्षा थोड़ी छोटी होगी पर इसमें प्रतिबंधित हर वर्ग और समुदाय का होगा।

सम्राट की बनाई कमेटी अब तक चल रही: फिलहाल, बिहार बीजेपी की वही प्रदेश कमेटी काम कर रही है जिसका गठन पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने किया था। बाद में दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, लेकिन चुनावी व्यस्तताओं और बाद में मंत्री बनने के कारण नई कमेटी का गठन नहीं हो सका। अब यह प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। नई प्रदेश कमेटी को बिहार में बीजेपी के संगठन को और मजबूत करने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद में आग लगने की घटना पर मुख्यमंत्री योगी ने लिया संज्ञान

लोकतंत्र की शान , लखनऊ। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में बहुमंजिली आवासीय भवन में भीषण आग लगने की घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश देते हुए राहत कार्य में तेजी लाने के लिए कहा। सीएम योगी ने कहा कि मामले में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस कमिश्नर, डीएम को भी मौके पर पहुंचने के दिए निर्देश हैं। गौरतलब है कि बुधवार सुबह इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित गौड़ ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में कई फ्लैट आ गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग समेत अन्य टीमें बचाव के लिए मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। फिलहाल आग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

हिसार : कुलपति नरसी राम को कार्यकाल विस्तार देना चौंकाने वाला: संपत

लोकतंत्र की शान : हिसार। इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक एवं पूर्व मंत्री प्रो. संपत सिंह ने गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति को दिए गए कार्यकाल विस्तार का कड़ा विरोध करते हुएइसे चौंकाने वाला, अनुचित और संदिग्ध बताया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के राज्यपाल एवं कुलाधिपति असीम कुमार घोष द्वारा प्रो. नरसी राम बिश्नोई को ऐसे समय में कार्यकाल विस्तार दिया जाना, जब उनके खिलाफ गंभीर आरोपों की जांच चल रही है, प्रशासनिक पारदर्शिता और नैतिकता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। प्रो. संपत सिंह ने बुधवार को कहा कि प्रो. नरसी राम बिश्नोई उन चार कुलपतियों में शामिल हैं, जिनके खिलाफ हरियाणा सरकार ने सतर्कता जांच (विजिलेंस इंक्वायरी) के आदेश दिए हैं। आरोपों में नियमों के विरुद्ध नियुक्तियां करना और विश्वविद्यालय को वित्तीय नुकसान पहुंचाना शामिल है। इन मामलों की जांच वर्तमान में एंटी-करप्शन ब्यूरो द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधान महालेखाकार (ऑडिट), हरियाणा की रिपोर्ट में भी विश्वविद्यालय में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं पर आपत्ति जताई गई है। इनमें सहायक प्रोफेसर को 1.49 करोड़ के संदिग्ध भुगतान, अयोग्य फर्मों को 89.89 लाख का भुगतान, बिना स्वीकृति 89.75 लाख के कार्यों का निष्पादन तथा वाहनों पर अनावश्यक खर्च शामिल हैं। मार्च 2026 की रिपोर्ट में 29 ऑडिट पैरा हैं, जो स्पष्ट रूप से वित्तीय कुप्रबंधन, नियमों के उल्लंघन और अवैध नियुक्तियों की ओर संकेत करते हैं।

फतेहाबाद : पेयजल संकट दूर करने को विभाग सख्त, 36 अवैध कनेक्शन काटे

लोकतंत्र की शान : फतेहाबाद। जिले के शहर रतिया में पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने अवैध और असुरक्षित कनेक्शनों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। बुधवार को विभाग की टीम ने वार्ड नंबर 12, टिब्बा कॉलोनी में असुरक्षित कनेक्शनों को काटने का अभियान शुरू किया। उपमंडल अभियंता आंचल जैन ने बताया कि कॉलोनी में बड़ी संख्या में अवैध कनेक्शनों के कारण कई घरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा था। जिसको देखते हुए टिब्बा कॉलोनी में विभाग की टीम ने मौके पर निरीक्षण कर 63 उपभोक्ताओं को नोटिस जारी किए गए। टीम ने 36 असुरक्षित कनेक्शनों को तुरंत प्रभाव से काट दिया तथा 13 असुरक्षित कनेक्शनों को मौके पर ही ठीक करवाया। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग फतेहाबाद के जिला सलाहकार शर्मा चंद लाली ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल रतिया तक सीमित नहीं रहेगी। जिले की सभी पंचायतों और शहरों में अवैध कनेक्शनों को चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा जन जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसमें ग्रामीणों से पानी का सदुपयोग करने और नलों पर टैप लगवाने की अपील की जा रही है। कनिष्ठ अभियंता अमनदीप सिंह ने सख्त लहजे में कहा कि जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पीने के पानी का उपयोग कर चल रहे गाड़ी धोने वाले सर्विस स्टेशन अपने कनेक्शन तुरंत बंद कर दें। विभाग की विशेष टीमें ऐसे स्टेशनों को चिह्नित कर रही हैं और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ठोस विभागीय व कानूनी कार्यवाही की जाएगी। इस अभियान के दौरान गांव में पाइपलाइनों की लीकेज को भी चिह्नित कर ठीक किया जा रहा है ताकि अंतिम छोर तक पानी पहुंच सके।

दुर्ग-उधमपुर एक्सप्रेस के जनरल कोच में लगी आग

लोकतंत्र की शान : धौलपुर। उत्तर मध्य रेलवे के धौलपुर जंक्शन स्टेशन पर बुधवार तडके एक बडा रेल हादसा टल गया। दुर्ग से उधमपुर जा रही एक्सप्रेस ट्रेन के एक जनरल कोच में आग लग गई। आग लगने पर ट्रेन को धौलपुर स्टेशन के आउटर पर रुकवाकर आग को बुझाया गया। आग बुझाने के बाद में करीब चालीस मिनट की देरी से ट्रेन धौलपुर से रवाना हुई। धौलपुर रेल स्टाफ की सजगता से एक बडा रेल हादसा टल गया। नहीं तो कोई बडा अग्निकांड हो सकता था। रेलवे के स्थानीय अधिकारियों से मिली सूचना के मुताबिक गाडी संख्या 12549 दुर्ग-उधमपुर एक्सप्रेस बुधवार तडके ग्वालियर से रवाना हुई। धौलपुर में ट्रेन का ठहराव नहीं होने के कारण उसको थ्रू निकालना था। सुबह करीब साढे पांच बजे धौलपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर तैनात पांइटसमैन अमर सिंह ने ट्रेन के जनरल कोच के पहियों ब्रेक पैडल से आग की लपट और धुंआ निकलते देखा। उन्होंने बिना वक्त गंवाए तुरंत लाल लाइट दिखाई और ट्रेन को रुकने का संकेत दिया और स्टेशन पर कंट्रोल को सूचना दी। इस सूचना के बाद में ट्रेन को धौलपुर स्टेशन के आगरा की ओर के आउटर सिगनल पर रोका गया। जनरल कोच के पहियों से निकलती आग की लपटों और धुएं को देखकर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और कई रेल यात्री ट्रेन से नीचे उतर आए। उधर जनरल कोच के पहिए के ब्रेक पैडल में आग की सूचना पर धौलपुर जंक्शन के स्टेशन अधीक्षक रामवीर मीना इंजीनियरों की टीम तथा रेलवे के अन्य कार्मिकों के साथ मौके पर पहुंचे। रेलवे कर्मचारियों ने फायर एक्सटिंगुइशर की मदद से करीब तीस मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। मिना ने बताया कि संभवतः गर्मी के कारण ही जनरल कोच के ब्रेक पैडल में आग लगी थी।

11 केव्ही बिजली लाइन से टकराया बल्कर, चालक जिंदा जला

वीडियो वायरल होने के बाद मचा कोहराम

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के टिकरी- महुआगांव मार्ग के जंगल में बुधवार शाम करीब 4 बजे एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। मिली जानकारी के अनुसार राखड़ लेने जा रहा एक बल्कर वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया और सीधे 11 केवी विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। खंभे के तार से संपर्क होते ही वाहन में भीषण आग लग गई, जिससे चालक को संभलने या बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला और वह जिंदा जल गया। इस घटना में मृतक की पहचान फूलचंद कोल, निवासी ग्राम बहेरा, थाना बहरी के रूप में हुई है, जो निगरी प्लांट से राखड़ परिवहन का कार्य करता था। यह हादसा जंगल के बीचों-बीच होने के कारण घटना की जानकारी तुरंत किसी को नहीं लग सकी। काफी देर बाद एक राहगीर संतोष यादव ने जलते वाहन का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसके बाद यह घटना तेजी से सामने आई। इस घटना की सूचना मिलते ही टिकरी चेक पोस्ट प्रभारी प्रमोद द्विवेदी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। लोगो ने बताया कि प्रथम दृष्टया वाहन के अनियंत्रित होकर पलटने और फिर हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आने से आग लगने की आशंका है। हालांकि वाहन के अनियंत्रित होने के कारणों की जांच की जा रही है। वही घटनास्थल पर ही चालक का शव पूरी तरह जल चुका था, जिससे पहचान करना भी मुश्किल हो रहा था। उसके आधार कार्ड के जरिए उसकी पहचान सुनिश्चित की गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच शुरू कर दी है।

करनाल में 11 मई को भगवान परशुराम जयंती धूमधाम से मनाने की तैयारी

लोकतंत्र की शान ,करनाल राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनालः हरियाणा प्रदेश ब्राह्मण सभा द्वारा आगामी 11 मई को करनाल मंगल सेन ऑडिटोरियम में प्रातः 10:00 बजे से भगवान परशुराम की जयंती का उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा,, करण लेक स्थित एक सभा घर में पत्रकारों को जानकारी देते हुए हरियाणा प्रदेश ब्राह्मण युवा अध्यक्ष अंकित शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम समस्त 36 बिरादरी के आराध्य रहे हैं और उन्होंने मानव कल्याण के लिए जीवन भर मानवता की रोशनी का दीप दिखाया,, उन्होंने कहा भगवान परशुराम ने हमेशा जनकल्याण कार्य किए,, इसलिए हम सभी 36 बिरादरी के लोगों का यह दायित्व बनता है कि 36 बिरादरियों की एकता और अखंडता हेतु भगवान परशुराम के आदर्शों पर चलकर 11 मई को भगवान परशुराम की जयंती धूमधाम से बनाएं इस मौके पर ब्राह्मण सभा के अनेक जिला अध्यक्ष, कार्यकर्ता शामिल थे जिनमें मुख्य रूप से जिले सिंह पिंजोलिया, मनोज कुमार, ललित शर्मा, मनीष सरपंच, सुरेंद्र कुमार, वीरेंद्र शर्मा , आदि ने पत्रकारों को भगवान परशुराम जयंती कि जानकारी दी,, और अपने विचार रखें

मझौली पुलिस ने छवारी में लगाई जन चौपाल

» आपकी पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम का रहा उद्देश्य

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी । जिला पुलिस सीधी द्वारा आयोजित जन चौपाल आपकी पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत 28 अप्रैल मंगलवार को थाना क्षेत्र मझौली के ग्राम छवारी में सायं 04 बजे से जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण,पुलिस कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाना तथा जनता और पुलिस के मध्य विश्वास एवं सहयोग को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में मझौली पुलिस द्वारा उपस्थित ग्रामीणजनों को पुलिस विभाग द्वारा संचालित जनहितकारी योजनाओं,महिला संबंधी अपराधों पर त्वरित कार्यवाही,साइबर अपराधों से बचाव,नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु पुलिस की भूमिका के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।साथ ही यातयात जागरूकता के संबंध में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही पीएम राहत स्कीम,राह वीर योजना के तहत एक्सीडेंट के समय क्या लाभ अर्जित किया जा सकता है उसके संबंध में भी जानकारी दी गई।साथ ही आमजन से अपील की गई कि वे निर्भीक होकर अपनी समस्याएं,शिकायतें एवं सुझाव पुलिस के समक्ष प्रस्तुत करें। उक्त जन चौपाल कार्यक्रम में थाना प्रभारी उप. निरीक्षक विशाल शर्मा,उप निरक्षक पी एल टांडिया, प्रधान आरक्षक अनूप सिंह पेंड्रो,आरक्षक आशुतोष मिश्रा,अक्षय तिवारी सहित अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नजीबाबाद में गैस प्लांट से पाइपलाइन बिछाने की मांग तेज, पेट्रोलियम मंत्रालय ने लिया संज्ञान

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। नगर में प्रस्तावित गैस प्लांट से घरेलू गैस पाइपलाइन बिछाए जाने के मुद्दे ने अब रफ्तार पकड़ ली है। इस संबंध में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने संज्ञान लेते हुए डिप्टी सेक्रेटरी को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जानकारी के अनुसार, आदर्श नगर निवासी आरटीआई कार्यकर्ता मनोज शर्मा ने पूर्व में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री को एक पत्र भेजकर अवगत कराया था कि आदर्श नगर क्षेत्र में स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम डिपो की खाली भूमि पर गैस प्लांट स्थापित किया जा रहा है। इस प्लांट में भविष्य में गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग का कार्य किया जाएगा। मनोज शर्मा ने अपने पत्र में सुझाव देते हुए कहा था कि यदि इस गैस प्लांट से पाइपलाइन बिछाकर नगर पालिका नजीबाबाद क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों में घरेलू एवं व्यावसायिक गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएं, तो इससे आम जनता को बड़ी राहत मिल सकती है। पाइपलाइन गैस व्यवस्था लागू होने से न केवल सिलेंडर पर निर्भरता कम होगी, बल्कि समय और संसाधनों की भी बचत होगी। आरटीआई कार्यकर्ता की इस पहल पर कार्रवाई करते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मामले को गंभीरता से लिया है और विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी रवि पांडे को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इससे क्षेत्रवासियों में उम्मीद जगी है कि आने वाले समय में नजीबाबाद में भी पाइपलाइन गैस सुविधा शुरू हो सकती है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि यह योजना धरातल पर उतरती है, तो यह शहर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी और लोगों को सस्ती, सुरक्षित एवं सुगम गैस आपूर्ति का लाभ मिल सकेगा।

स्वास्थ्य विभाग में लापरवाही पर 3 की सेवाएं समाप्त, 2 को नोटिस

» सौंपे गए कार्यों में लापरवाही बरतने पर हुई कार्रवाई

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं ऑनलाइन रिपोर्टिंग में सुधार को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्य में लापरवाही बरतने पर तीन आउटसोर्स डाटा एंट्री ऑपरेटरों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं, वहीं दो अन्य को सेवा समाप्ति का नोटिस जारी किया गया है। सेवाएं समाप्त किए गए कर्मियों में रजनीश सिंह चौहान (सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिहावल), विपुल तिवारी (सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर नैकिन) एवं अरविन्द रावत (सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डढिया, विकासखंड रामपुर नैकिन) शामिल हैं। इनकी नियुक्ति उद्यमिता विकास केन्द्र (सेडमैप) के माध्यम से आउटसोर्स आधार पर की गई थी। वहीं, राजमणि चर्मकार (सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर नैकिन) एवं रामसुरेश धोबी (सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरिया) को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए सेवा समाप्ति की चेतावनी दी गई है। इन सभी कर्मियों को मातृ स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, एनसीडी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की ऑनलाइन/ऑफलाइन रिपोर्टिंग एवं अन्य कार्यों का दायित्व सौंपा गया था। बावजूद इसके, इनके द्वारा कार्यों में लगातार लापरवाही बरती गई और रिपोर्टिंग अत्यंत कम पाई गई, जिससे जिले की प्रगति राज्य एवं वरिष्ठ स्तर की समीक्षाओं में असंतोषजनक रही। बताया गया कि यह विषय मुख्य सचिव स्तर की समीक्षा बैठक के एजेंडा में भी शामिल रहा, जहां जिले की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की गई। इसके बावजूद संबंधित कर्मियों द्वारा कार्य में कोई सुधार नहीं किया गया। जिला एवं ब्लॉक स्तर की समीक्षा बैठकों तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कई बार निर्देश दिए जाने के बावजूद न तो कार्यों में अपेक्षित रुचि दिखाई गई और न ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का पालन किया गया। लगातार लापरवाही को देखते हुए तीन कर्मियों की सेवाएं 29 अप्रैल 2026 से समाप्त कर दी गई हैं। वहीं, दो अन्य कर्मियों को संविदा मानव संसाधन मैन्युअल 2025 की कंडिका 11.1 एवं 18.5 के तहत 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। संतोषजनक उत्तर न मिलने पर उनकी सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि शासकीय कार्यों में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी और कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

अजय सिंह राहुल लेंगे जिला कांग्रेस की आवश्यक बैठक

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। आगामी संगठनात्मक कार्यों एवं जिले की भावी रणनीतियों पर विचार-विमर्श के लिए जिला कांग्रेस कमेटी, सीधी की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन दिनांक 30 अप्रैल 2026, गुरुवार को दोपहर 3 बजे जवाहर कांग्रेस भवन में किया जाएगा। बैठक पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधायक चुरहट अजय सिंह राहुल के मुख्य आतिथ्य, जिला संगठन प्रभारी दिलीप मिश्रा के विशिष्ट आतिथ्य तथा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह की अध्यक्षता में संपन्न होगी। बैठक में विधानसभा प्रभारियों की विशेष उपस्थिति रहेगी। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत बनाने तथा आगामी गतिविधियों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इस बैठक में कांग्रेस समन्वय समिति के सदस्य, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, समस्त ब्लॉक अध्यक्ष, सहयोगी संगठनों के अध्यक्ष, किसान कांग्रेस के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष, नवनियुक्त मंडलम अध्यक्ष एवं प्रकोष्ठ/विभाग के प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।सभी संबंधितों से समय पर उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

मानव सेवा की प्रतिमूर्ति, प्रकृति प्रेमी कर्मयोगी परम पूज्य बाबूजी श्रद्धेय पं.सत्येन्द्र पाठक जी के पुण्य स्मरण दिवस पर भंडारे हुआ कार्यक्रम

लोकतंत्र की शान लोकतंत्र किस हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी मानव सेवा की प्रतिमूर्ति, प्रकृति प्रेमी कर्मयोगी परम पूज्य बाबूजी श्रद्धेय पं.सत्येन्द्र पाठक कल 28 अप्रैल मंगलवार साय 4 बजे* से सायना किड्स,आरके मोटर्स कटाए घाट मोड़ बरगवां कटनी में आयोजित भंडारे में पधार कर प्रसाद वितरण किया गया इसमें काफी तादाद में लोग आकर प्रसाद ग्रहण किया शहर के सम्मानित और आसपास के लोगों ने भी प्रसाद ग्रहण किया संस्कारों की मजबूत विरासतराजनीति के साथ-साथ उन्होंने अपने पारिवारिक दायित्वों को भी आदर्श रूप में निभाया। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला पाठक जी ने हर परिस्थिति में उनका साथ देकर परिवार को संस्कारों की मजबूत नींव दी।उनके जीवन मूल्यों और आदर्शों की विरासत आज उनके सुपुत्र संजय पाठक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ आगे बढ़ा रहे हैं, जो क्षेत्र की जनता के बीच उसी अपनत्व और सेवा भाव से जुड़े हुए हैं।उनकी पुण्यतिथि पर नगर सहित पूरा क्षेत्र भावविभोर है। हर व्यक्ति अपने अनुभवों, अपनी यादों और अपने शब्दों के माध्यम से उन्हें नमन कर रहा है। वो भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, उनके संस्कार और उनकी सेवा की भावना आज भी हर दिल में जीवित है। इस अवसर पर आशीष पाठक, यश पाठक, मनीष पाठक, राकेश गौतम, दीपक जैन, गुड्डा जैन, अनुज तिवारी, निक्कू सलूजा, राजेन्द्र दुबे(पप्पू पुलिस), रामजी पांडे, वरुण गौतम, अमन पाठक, रिजुल भसीन, सृजन सलूजा, सचिन तिवारी, सुमित अजमानी, नीरज नगरिया, राजू शर्मा, ध्रुव महेश्वरी, ऋषि अरोड़ा, अर्जुन तिवारी, प्रियंक अग्रवाल, लालू जैन, राजा सलूजा, मनीष लालवानी, रवि मिश्रा,अंकित अग्निहोत्री, कपिल भाटिया, राजू तनवानी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं मित्रमंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

चोरी की घटना का हुआ खुलासा,आरोपी गिरफ्तार नगदी एवं सोने के जेवरात हुए बरामद

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। थाना कोतवाली सीधी पुलिस द्वारा सूने मकान में हुई चोरी की घटना का त्वरित खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया मशरूका बरामद करने में सफलता प्राप्त की गई है। पुलिस के अनुसार 25 अप्रैल 2026 की रात्रि में फरियादी राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय निवासी ग्राम बटौली अपने परिवार सहित ग्राम कुबरी थाना बहरी एक वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने गए थे। रात्रि लगभग 11:30 बजे वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि उनके घर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखने पर अलमारी का लॉक टूटा हुआ मिला तथा उसमें रखी नगदी एवं सोने के जेवरात अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिए गए थे। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 के माध्यम से दी गई तथा अगले दिन दिनांक 26 अप्रैल 2026 को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रकरण में धारा 305(ए) 331(4) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के पर्यवेक्षण एवं थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए संदेहियों से पूछताछ एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी निलेश साकेत उर्फ छोटा बॉस उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम बटौली को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 45,000 नगद राशि, 2 नग सोने की अंगूठी, 1 नग सोने का बड़ा लॉकेट, 4 नग सोने के छोटे लॉकेट, 1 नग सोने का ओम लिखित लॉकेट बरामद किया गया। उक्त मशरूका ग्राम बटौली में आरोपी के घर के सामने पुराने गैस गोदाम के पास से जप्त किया गया। इस सफल कार्यवाही में निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय, उप निरीक्षक प्रीति वर्मा, प्रधान आरक्षक रणबहादुर सिंह, आरक्षक जितेंद्र पाठक, सूरज सिंह, तिलकराज सिंह एवं बालेंद्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में गुब्बारों में एलपीजी भरकर खाना बना रहे लोग

कराची। पाकिस्तान के कराची शहर में गैस की भारी कमी के कारण लोग अब प्लास्टिक के गुब्बारों में गैस भरकर खाना बनाने को मजबूर हो गए हैं। ARY न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय से LPG किल्लत की वजह से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। यह खतरनाक तरीका खास तौर पर कराची के ओरंगी टाउन इलाके में देखा गया है, जिसमें मोमिनाबाद भी शामिल है। वहां के लोगों का कहना है कि अनियमित गैस सप्लाई के कारण उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक लोग खास तरह के प्लास्टिक के गुब्बारों में गैस भरते हैं। जब थोड़ी देर के लिए गैस सप्लाई आती है, तब इन गुब्बारों को भर लिया जाता है और बाद में दिनभर इन्हीं का इस्तेमाल करके खाना बनाया जाता है। ये गुब्बारे स्थानीय बाजार में भी करीब 1000 से 1500 रुपए में मिल रहे हैं। एक्सपर्ट्स ने इस तरीके को बेहद खतरनाक बताया है। सेफ्टी एनालिस्ट्स का कहना है कि प्लास्टिक के गुब्बारों में गैस भरना 'मोबाइल बम' जैसा है, क्योंकि हल्की सा घर्षण, गर्मी या चिंगारी भी बड़ा विस्फोट करा सकती है। घरों के अंदर ऐसे गैस से भरे गुब्बारे रखना आग लगने के खतरे को बढ़ाता है। खासकर घनी आबादी वाले इलाकों में इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आई है, जब वैश्विक स्तर पर ऊर्जा सप्लाई पर दबाव बढ़ा हुआ है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव के कारण ऊर्जा सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट जैसे अहम रास्तों पर भी असर पड़ा है। कराची में कई सालों से गैस की कमी, कम दबाव और लंबी कटौती की समस्या चलती रही है। सर्दियों में तो हालत और खराब हो जाती है, क्योंकि उस समय मांग बढ़ जाती है और सप्लाई उतनी नहीं होती। इसी वजह से पहले भी लोग अलग-अलग जुगाड़ करते रहे हैं।

नेपालः संसद अधिवेशन स्थगित कर अध्यादेश लाने के खिलाफ विपक्षी दल एकजुट

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की सरकार द्वारा संसद को दरकिनार कर अध्यादेश लाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के बाद विपक्षी दल एकजुट होने लगे हैं। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने मंगलवार को संवैधानिक परिषद् और सहकारी से जुड़े दो अध्यादेशों को राष्ट्रपति के पास सिफारिश की थी, जिसके बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। प्रधानमंत्री शाह, जो संवैधानिक परिषद में अल्पमत में हैं, उन्होंने ऐसा प्रावधान प्रस्तावित किया है जिसके तहत केवल तीन सदस्यों की उपस्थिति में भी निर्णय लिया जा सकेगा। इसे पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली द्वारा अपनाए गए पुराने तरीके से जोड़ा जा रहा है। इस घटनाक्रम के बाद मुख्य विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस द्वारा बुलाई गई विपक्षी दलों ने बैठक कर सरकार के इस कदम का विरोध किया है। विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार ने गलत नीयत से अध्यादेश लाने का काम किया है। नेपाली कांग्रेस के संसदीय दल के नेता भीष्म अंगदांबे ने बताया कि सभी विपक्षी दलों के प्रतिनिधि राष्ट्रपति से मुलाकात कर सरकार द्वारा सिफारिश किए गए अध्यादेश को स्वीकृत नहीं करने की मांग करने वाले हैं। विपक्षी दलों की संयुक्त बैठक में यूएमएल पार्टी के संसदीय दल के नेता रामबहादुर थापा, पार्टी के मुख्य सचेतक युवराज दुलाल, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी की ओर से सांसद सरस्वती लामा, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के तरफ से सांसद मात्रिका यादव तथा श्रम संस्कृति पार्टी के तरफ से सांसद हर्क सांपांग शामिल रहे। इसी तरह बैठक में सहभागी आरपीपी की सांसद लामा ने कहा कि सरकार के पास दो तिहाई बहुमत होने के बावजूद अध्यादेश लाकर शासन करने की परंपरा गलत राजनीतिक उदाहरण है। लामा का कहना है कि सरकार संसद के प्रति उत्तरदायी है लेकिन ऐसा लग रहा है कि वह संसद का सामना नहीं करना चाह रही है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद मात्रिका यादव ने कहा कि पिछली सरकारी द्वारा इसी तरह अध्यादेश लाने पर आरएसपी के अध्यक्ष रवि लामिछाने बहुत विरोध करते थे, उसे तानाशाही प्रवृति कहा करते थे लेकिन अभी खुद उनकी पार्टी के पास दो तिहाई सरकार होने के बावजूद संसद को स्थगित कर अध्यादेश के माध्यम से देश चलाने का प्रयास किया जा रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई में अश्लील वीडियो चला, स्क्रीन पर दिखा हैक का मैसेज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को वर्चुअल सुनवाई के दौरान अश्लील वीडियो चल गया। उस वक्त चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस खरिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। यह मामला दोपहर 12:56 बजे का है। यह साफ नहीं हुआ है कि वारदात के वक्त बेंच किस मामले में सुनवाई कर रही थी। जैसे ही पोर्न वीडियो चला, फौरान सुनवाई रोक दी गई। कुछ मिनट बाद सुनवाई दोबारा शुरू हुई, फिर पोर्न वीडियो चलने लगा। मामले की शिकायत दिल्ली पुलिस की IFSO यूनिट को दी गई है। वर्चुअल सुनवाई के दौरान कई लोग जुड़े हुए थे। इनमें एक क्षितिजीत सिंह थे। शुरुआती पूछताछ में क्षितिजीत ने दावा किया कि उसका अकाउंट अमेरिका से हैक किया गया था। उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि सुनवाई के दौरान वह अश्लील वीडियो कैसे चला। बुधवार को सुनवाई के दौरान वीडियो चलने के बाद 'आपका सिस्टम हैक हो गया है', का मैसेज भी स्क्रीन पर दिखाई दिया। दो बार पोर्न वीडियो चला और तीसरी बार म्यूजिक वीडियो चला। कोर्ट में 100 से ज्यादा जनहित याचिकाओं (PIL) पर सुनवाई हो रही थी। ये मामला उसी दौरान समाने आया। मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर रजिस्ट्रार जनरल को आवश्यक निर्देश दिए गए। अदालत की कार्यवाही रिकॉर्ड करना नियमों के विरुद्ध है। यदि किसी ने रिकॉर्डिंग की है तो कार्रवाई करेंगे।

जेल से छूटकर भी इंदौर नहीं आ पाएगी सोनम रघुवंशी, कोर्ट की परमिशन बिना शिलॉन्ग नहीं छोड़ पाएगी

भोपाल। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा मोड़ आया है। मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग में हनीमून के दौरान पति राजा के मर्डर की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को गिरफ्तारी के करीब 320 दिन बाद जमानत मिल गई है। हालांकि, अदालत ने शर्त रखी है कि ट्रायल के दौरान सोनम को शिलॉन्ग में ही रहना होगा। शिलॉन्ग कोर्ट ने सोमवार को उसकी जमानत मंजूर कर ली। मंगलवार को सोनम के पिता देवी सिंह शिलॉन्ग पहुंचे और जमानत भर दी। इसके बाद मंगलवार शाम को सोनम जेल से रिहा हो गई। रिहाई के बाद मीडियाकर्मियों ने सवाल किए तो पिता और बेटी बिना कुछ कहे वहां से निकल गए। बता दें कि कोर्ट ने चौथी सुनवाई के बाद सोनम को राहत दी है। सोनम की जमानत की मुख्य वजह गिरफ्तारी प्रक्रिया में खामियां रहीं। उसके वकील ने दलील दी कि 7 जून 2025 को गाजीपुर में गिरफ्तारी के समय कारण स्पष्ट नहीं बताया गया था। अदालत ने जांच में दस्तावेज में गंभीर त्रुटियां पाईं। कोर्ट ने अनुच्छेद 22(1) का हवाला देते हुए कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत कारण बताना अनिवार्य है। ऐसा न करना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

अफसर की हत्या करने वाला रामधनी यादव का एनकाउंटर

भागलपुर। बिहार में योगी स्टाइल में भागलपुर हत्याकांड के आरोपी का एनकाउंटर हुआ है। मर्डर के 12 घंटे के अंदर पुलिस ने अपराधी को ढेर कर दिया है। शाम 7 बजे नमानी गंगे घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। भागलपुर में मंगलवार दोपहर 3 बजे सुल्तानगंज नगर परिषद ऑफिस में सरकारी अफसर की हत्या हुई थी। बदमाशों ने चेयरमैन को भी गोली मारी थी। देर रात 2.30 बजे पुलिस एनकाउंटर में अपराधी मारा गया। मुठभेड़ में DSP नवीन, इंस्पेक्टर परमेश्वर और इंस्पेक्टर मृत्यंजय भी घायल हुए हैं। एनकाउंटर सुल्तानगंज थाने से महज 200 मीटर दूर बाइपास रोड इलाके में हुआ है। जहां मुठभेड़ हुई है, वहां से रामधनी यादव का घर 100 मीटर की दूरी पर है। सूत्रों के मुताबिक, भागलपुर पुलिस ने रामधनी यादव के चारों बेटों, पत्नी नीलम देवी समेत कुल 8 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सुल्तानगंज थाने और आसपास इलाकों में पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। खुद IG मौके पर पहुंचे हैं और हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। दोपहर करीब 2.30 बजे पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले गई। पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने मृतक रामधनी की बॉडी बेटी (पेशे से कटोरिया में तैनात ANM) प्रियंका कुमारी को सौंप दिया है। पुलिस की सुरक्षा में ही बॉडी को सुल्तानगंज ले जाया जा रहा है। वहीं, CID के DIG जयंत कांत और SP ने सुल्तानगंज नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। टीम ने एनकाउंटर के पूरे घटनाक्रम को रीकंस्ट्रक्ट करने की कोशिश की।

ईरान को परमाणु अप्रसार संधि का उपाध्यक्ष बनाने पर विवाद

अमेरिकी अधिकारी बोले- यह संगठन का अपमान, ईरान बोला- अमेरिका हमें न सिखाए

एजेंसी, न्यूयॉर्क

ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। इसी बीच एक दिलचस्प खबर सामने आई है। ईरान को परमाणु अप्रसार संधि (NPT) का उपाध्यक्ष चुना गया है। यह फैसला न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में चल रहे NPT के 11वें रिव्यू कॉन्फ्रेंस में लिया गया। यह कॉन्फ्रेंस 5 साल में एक बार होती है। सम्मेलन के अध्यक्ष और वियतनाम के राजदूत दो हुंग वियेत ने बताया कि ईरान का नाम 'गुटनिरपेक्ष देशों के ग्रुप' की तरफ से आया था। इस ग्रुप में भारत समेत 100 से भी ज्यादा देश हैं। अमेरिका के एक अधिकारी क्रिस्टोफर येओ ने इसे NPT के लिए अपमान बताया। उनका कहना है कि ईरान लंबे समय से परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में उसे इस संगठन का अहम पद देना सही नहीं है। वही ईरान ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। ईरान ने कहा कि अमेरिका, जो खुद परमाणु हथियार इस्तेमाल कर चुका है और लगातार अपने हथियार बढ़ा रहा है, उसे दूसरों को सीख देने का हक नहीं है।

NPT कैसे काम करता हैः परमाणु अप्रसार संधि 1970 में लागू हुई थी। यह दुनिया में परमाणु हथियारों को फैलने से रोकने की सबसे अहम व्यवस्था मानी जाती है। इस संधि का एक सीधा सौदा है, जिन देशों के पास परमाणु हथियार नहीं हैं, वे इन्हें नहीं बनाएंगे और जिनके पास हैं, वे धीरे-धीरे उन्हें खत्म करेंगे। इसके बदले सभी देशों को शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक इस्तेमाल करने का अधिकार मिलता है। यह संधि 1968 में शुरू हुई और 1970 से लागू हुई। आज संयुक्त राष्ट्र के 195 में से 191 देश इस संधि का हिस्सा हैं। भारत, पाकिस्तान, इजराइल और दक्षिण सूडान इसमें शामिल नहीं हैं। 5 देशों को आधिकारिक परमाणु ताकत माना गया है। अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस। बाकी सभी देशों को परमाणु हथियार बनाने की अनुमति नहीं है।

चारधाम यात्रा : दस दिन में चार लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

एजेंसी, देहरादून

प्रदेश में चारधाम यात्रा सुचारु रूप से चल रही है। राज्य सरकार ने यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। कपाट खुलने से लेकर 28 अप्रैल, 2026 की सायं 7 बजे तक मात्र दस दिन में कुल 4 लाख 8 हजार 401 श्रद्धालु चारो धामों में दर्शन के लिए पहुंचे हैं।

चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों, श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए चारधाम यात्रा मार्गों सहित प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, पार्किंग एवं यातायात व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित किया गया है। राज्य सरकार ने यात्रा व्यवस्थाओं के संबंध में भ्रामक जानकारी प्रसारित करने वालों तथा गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, ताकि यात्रा की पवित्रता एवं व्यवस्थाएं बनी रहें। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, देहरादून से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार चारधाम कपाट खुलने से 28 अप्रैल, 2026 की सांय 7 बजे तक मात्र दस दिनों में कुल 4 लाख 8 हजार 401 श्रद्धालु चारधाम में दर्शन के लिए पहुंचे हैं।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार अब तक यमुनोत्री धाम में 57,794, गंगोत्री में 57,863, केदारनाथ धाम में 2,07,452 और बदरीनाथ धाम में 84,942 श्रद्धालु ने दर्शन कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त गौमुख में अब तक 440 यात्री पहुंचे हैं। वर्तमान यात्रा सीजन में अब तक कुल 64,115 वाहन यात्रियों को लेकर चारधाम पहुंचे हैं। राज्य सरकार ने सभी संबंधित विभागों के समन्वय से यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए हैं।

सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आस्था और विवेक के मामलों पर कोर्ट में बहस नहीं हो सकती

एजेंसी, नई दिल्ली

केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने एडवोकेट इंदिरा जयसिंह की दलीलों के जवाब में कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। आस्था और विवेक के मामलों पर कोर्ट में बहस नहीं हो सकती। एडवोकेट जयसिंह ने सुनवाई के 10वें दिन कहा कि सबरीमाला मंदिर में एंट्री का फैसला अब भी लागू है। इस पर स्टे नहीं है लेकिन मंदिर में प्रवेश नहीं मिल रहा है। जयसिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इसकी रिव्यू पिटिशन पर सुनवाई कर रहा है। हालांकि, कोर्ट कभी यह तय नहीं करता कि धर्म में क्या जरूरी है या और क्या नहीं। इसका फैसला तो धर्म ही करता है। इस पर जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हम इस भूमि के सभ्यता के विकास और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इसी बैकग्राउंड से संविधान के आर्टकिल 25 और 26 आए हैं। इस पर जयसिंह ने कहा कि इस पर डिबेट हो सकती है। यह क्लीन स्लेट है।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई हुईः सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई थी। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

साबरकांठा में लग्जरी बस ने कार को मारी टक्कर, 6 लोगों की मौत, 8 घायल

एजेंसी, साबरकांठा

गुजरात के साबरकांठा जिले में बुधवार सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, हिम्मतनगर के पास जसवंतगढ़ पाटिया के निकट शामलाजी से अहमदाबाद जाने वाले नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार से आ रही एक निजी लग्जरी बस ने आगे चल रही इको कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। हादसे में कार सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शी मूलसिंह मकवाना ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का पिछला और ऊपरी हिस्सा पूरी तरह दब गया। कार में सवार लोग गंभीर रूप से घायल होकर अंदर ही फंस गए थे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंच गई। कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि निजी लग्जरी बस के चालक ने स्टेयरिंग पर नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण बस ने आगे चल रही कार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद हाईवे पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया और वाहनों की आवाजाही काफी देर तक बाधित रही। हिम्मतनगर के डीवाय एसपी ए. के. पटेल ने बताया, "इको कार को लग्जरी बस ने पीछे से टक्कर मारी, जिसमें 6 लोगों की मौत हुई है। हमने नेशनल हाईवे अथॉरिटी को निर्देश दिया है कि जहां भी अनधिकृत कट हैं, उन्हें तुरंत बंद कराया जाए।"

पश्चिम बंगाल में पूर्ण बहुमत से बनेगी भाजपा सरकार, विकास की लिखी जाएगी नई गाथा : नितिन नवीन

एजेंसी, मीरजापुर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बुधवार सुबह मां विंध्यवासिनी धाम पहुंचे और विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। दर्शन-पूजन प्रधान अर्चक अगस्त्य कुमार द्विवेदी और धीरज मिश्र ने कराया। पूजन के बाद उन्होंने विंध्य कॉरिडोर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर संतोष जताया।

इस अवसर पर उन्होंने पश्चिम बंगाल के चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल के लिए एक विशेष दिन है, क्योंकि यहां के नागरिक आज सेकेंड फेज का मतदान कर रहे हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल की जनता से अपील की कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लें और अधिक से अधिक मतदान करें। नितिन नवीन ने कहा कि हम पश्चिम बंगाल को सुरक्षित बनाने के लिए प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने जा रहे हैं। नितिन नवीन ने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने से राज्य में विकास की नई गाथा लिखी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर राज्य में कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और विकास के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा की सरकार हर वर्ग के लोगों के लिए काम करेगी और सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करेगी।

उन्होंने मतदाताओं से आग्रह किया कि वे अपने मत का प्रयोग अवश्य करें, क्योंकि यह उनके भविष्य का सवाल है। उन्होंने कहा कि मतदान करना हर नागरिक का अधिकार है और इसे निभाना उनकी जिम्मेदारी भी है। नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर राज्य में शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में सुधार लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बंगाल का तेजी से विकास करेगी। इस दौरान उनके साथ एमएलसी विनीत सिंह,मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल,जिलाध्यक्ष लालबहादुर सरोज,जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार,पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक सहित कई वरिष्ठ नेता व अधिकारी मौजूद रहे। दर्शन-पूजन के बाद वह कार्यकर्ताओं से भेंट कर वाराणसी के लिए रवाना हो गए। उनके दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

जयपुर में खातीपुरा स्टेशन बनेगा मेगा सैटेलाइट टर्मिनल, ट्रेनों की हैंडलिंग क्षमता में होगा बड़ा विस्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

राजस्थान की राजधानी जयपुर में रेलवे अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। शहर के उपनगरीय क्षेत्र स्थित खातीपुरा रेलवे स्टेशन को पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर मेगा टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह स्टेशन भविष्य में जयपुर जंक्शन का विकल्प बनकर उभरेगा और ट्रेनों की बढ़ती संख्या को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रेल मंत्रालय के अनुसार, खातीपुरा स्टेशन को आधुनिक यात्री सुविधाओं और अत्याधुनिक तकनीकी संसाधनों से लैस किया जा रहा है। यहां ट्रेनों के रखरखाव, धुलाई और निरीक्षण के लिए व्यापक स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। कोच केयर कॉम्पलेक्स का निर्माण लगभग 205 करोड़ रुपये की लागत से प्रगति पर है, जिसमें ऑटोमैटिक कोच वॉशिंग प्लांट, कंप्यूटरीकृत व्हील प्रोफाइल मैनेजमेंट सिस्टम, कोच लिफ्टिंग यूनिट और उच्च क्षमता के क्रेन जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

स्टेशन पर वर्तमान में 6 हाई लेवल प्लेटफॉर्म और 8 रेल लाइनें उपलब्ध हैं, जिससे यात्रियों को चढ़ने-उतरने में सुविधा होगी और ट्रेनों की आवाजाही भी सुचारू रूप से हो सकेगी। इसके अलावा, ट्रेनों के रखरखाव, शंटिंग और स्टेबलिंग के लिए अलग-अलग लाइनें विकसित की जा रही हैं। जयपुर और दौसा दोनों दिशाओं में अतिरिक्त लाइनों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। परियोजना के तहत दो मंजिला लिनन मेंटेनेंस भवन, तीन मंजिला प्रशासनिक भवन और यार्ड मास्टर कार्यालय भी बनाए जा रहे हैं।

ममता ने भवानीपुर में बूथों का निरीक्षण कर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप जड़े

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के दौरान आज भवानीपुर में राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है। यहां से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मैदान में हैं। उन्होंने सुबह कई बूथों का दौरा कर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। ममता कालीघाट स्थित अपने आवास से निकलकर चेतला और पद्मपुकुर रोड इलाके में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने कई मतदान केंद्रों के बाहर रुककर स्थिति का जायजा लिया और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत भी की। बाद में उन्होंने चक्रबेड़िया क्षेत्र के एक बूथ का भी निरीक्षण किया।

इस दौरान मीडिया से बातचीत में ममता ने मतदान प्रक्रिया के दौरान बाहरी पर्यवेक्षकों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ लोग बाहर से आकर मतदाताओं में भय का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले बिना परामर्श के किए जा रहे हैं। ममता ने कहा, "कई पर्यवेक्षक राज्य के बाहर से आये हैं। वे बीजेपी के आदेश पर काम कर रहे हैं। कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। हमने कोर्ट की अवमानना का नोटिस भेजा है, फिर भी कई बाहरी पर्यवेक्षकों को यहां लाया गया है।''

देश में इलाज का खर्च हुआ कम, एनएसओ सर्वेक्षण की रिपोर्ट जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

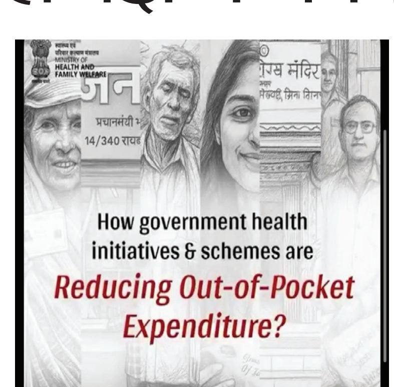

देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में तेजी से सुधार हुआ है और लोगों के पॉकेट पर इलाज के खर्च का दवाब भी कम हुआ है। बुधवार को जारी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के 80वें दौर के सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह तथ्य उजागर हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच पहले के मुकाबले काफी बेहतर हुई है और इलाज का खर्च भी कम हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी अस्पतालों में मरीजों का खर्च काफी कम हो गया है। आधे से ज्यादा भर्ती मामलों में मरीजों को औसतन सिर्फ 1100 रुपये ही अपनी जेब से खर्च करना पड़ा। वहीं, सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में बाह्य रोगी (ओपीडी) सेवाएं कई जगह पूरी तरह मुफ्त मिल रही हैं, जिससे आम लोगों को बड़ी राहत मिली है।

सर्वे में यह भी सामने आया है कि अब लोग पहले की तुलना में ज्यादा इलाज के लिए आगे आ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण इलाकों में बीमार होने की रिपोर्ट करने वाले लोगों का प्रतिशत 6.8 से बढ़कर 12.2 प्रतिशत हो गया है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 9.1 प्रतिशत से बढ़कर 14.9 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

ग्रामीण भारत में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का इस्तेमाल भी बढ़ा है। ओपीडी सेवाओं के लिए सरकारी अस्पतालों का उपयोग 2014 के 28 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 35 प्रतिशत हो गया है। इसके अलावा, सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा भी तेजी से बढ़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में कवरेज 12.9 प्रतिशत से बढ़कर 45.5 प्रतिशत हो गया है, जबकि शहरी इलाकों में यह 8.9 प्रतिशत से बढ़कर 31.8 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि गरीब वर्गों पर इलाज का खर्च कम हुआ है, जिससे यह साफ है कि सरकारी योजनाओं का असर जमीनी स्तर पर दिख रहा है। मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़ी प्रगति दर्ज की गई है। संस्थागत प्रसव अब ग्रामीण क्षेत्रों में 95.6 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 97.8 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम हेट स्पीच- डिजिटल युग में हेट स्पीच दंगों व नफरतों को खुला आमंत्रण- कानून पर्याप्त या क्रियान्वयन की चुनौती?-सुप्रीम कोर्ट के 29 अप्रैल 2026 फैसले का व्यापक समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर संचार क्रांति ने जिस गति से समाज को बदला है,वह अभूतपूर्व है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और 24×7 ब्रॉडकास्ट मीडिया के विस्तार ने सूचना के प्रवाह को इतना तेज बना दिया है कि अब किसी व्यक्ति, चाहे वह आम नागरिक हो,राजनीतिक नेता हो या धार्मिक वक्ता,इनका एक शब्द भी कुछ ही मिनटों में लाखों-करोड़ों लोगों तक पहुंच जाता है। यह तकनीकी प्रगति जहां लोकतंत्र को मजबूत करने, विचारों के आदान-प्रदान और पारदर्शिता बढ़ाने का माध्यम बनी है,वहीं इसके नकारात्मक पहलू भी उतनी ही तेजी से सामने आए हैं। खासकर हेट स्पीच यानें नफरत फैलाने वाले भाषणों ने सामाजिक सौहार्द, धर्मनिरपेक्षता और भाईचारे की भावना के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर दी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि जब कोई भड़काऊ बयान, अफवाह या सांप्रदायिक टिप्पणी वायरल होती है, तो उसका प्रभाव केवल डिजिटल दुनियाँ तक सीमित नहीं रहता, वह

» भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(a) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार देता है, लेकिन अनुच्छेद 19(2) के तहत इस अधिकार पर उचित प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं

» हेट स्पीच केवल एक कानूनी समस्या नहीं है यह एक सामाजिक, नैतिक और राजनीतिक चुनौती भी है,भारत में कानूनों की कमी नहीं है, बल्कि उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाने की वह सख्ती से क्रियान्वयन करने की आवश्यकता है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

वास्तविक जीवन में तनाव, अविश्वास, हिंसा और यहां तक कि दंगों का कारण बन सकता है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत समेत दुनियाँ के कई देशों में हेट स्पीच को नियंत्रित करने के लिए कानूनों और न्यायिक हस्तक्षेप की मांग तेज हुई है।इसी पृष्ठभूमि में 29 अप्रैल 2026 को सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इंडिया ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसने इस बहस को नई दिशा दी।अदालत ने हेट स्पीच को रोकने के लिए नए दिशानिर्देश बनाने या अतिरिक्त न्यायिक हस्तक्षेप से इनकार करते हुए स्पष्ट कहा कि मौजूदा कानूनी ढांचा इन अपराधों से निपटने के लिए पर्याप्त है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने यह भी रेखांकित किया कि समस्या कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके प्रभावी

क्रियान्वयन की है। यह निर्णय केवल कानूनी दृष्टिकोण से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र में शक्तियों के पृथक्करण न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन को भी स्पष्ट करता है। साथियों बात अगर हम हेट स्पीच के खिलाफ दायर याचिकाओं में याचिकाकर्ताओं ने तर्क को समझने की करें तो उन्होंने अदालत से कहा था कि वर्तमान कानून अस्पष्ट हैं और उनका प्रभावी तरीके से पालन नहीं हो रहा है।उनका कहना था कि राजनीतिक भाषणों, धार्मिक सभाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से फैल रही नफरत समाज में विभाजन को बढ़ा रही है और इसके लिए एक स्पष्ट, सख्त और समग्र कानून की आवश्यकता है। कोरोना जिहाद जैसे विवादित नैरेटिव और विभिन्न धार्मिक मंचों से दिए गए भड़काऊ भाषणों का उदाहरण देते हुएउन्होंने अदालत से मांग की थी कि वह इस दिशा में ठोस दिशानिर्देश जारी करे। लेकिन अदालत ने इन तर्कों को स्वीकार नहीं किया और दोहराया कि कानून बनाने का अधिकार संसद और राज्य विधानसभाओं के पास है, न कि न्यायपालिका के पास। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक न्यायालय कानून की व्याख्या कर सकते हैं और मौलिक अधिकारों को लागू करवा सकते हैं, लेकिन वे खुद कानून नहीं बना सकते। साथियों बात अगर हम इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू को समझने की करें तो वह यह है कि अदालत ने भारतीय विधायी शून्य (लेजिस्लेटिव वेक्यूम) की अवधारणा को खारिज किया। अदालत ने कहा कि भारत में पहले से ही ऐसे कई कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, जो हेट स्पीच से निपटने के लिए पर्याप्त हैं। उदाहरण के तौर पर, भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराएं जैसे धारा 196 (वैमनस्य फैलाना), धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना) और अन्य प्रावधान स्पष्ट रूप से इस तरह के अपराधों को कवर करते हैं। इसके अलावा, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में भी ऐसे प्रावधान हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि संज्ञेय अपराधों के मामलों में एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य हो। अदालत ने यह भी बताया कि यदि पुलिस एफआईआर दर्ज करने में विफल रहती है, तो पीड़ित व्यक्ति पुलिस अधीक्षक या मजिस्ट्रेट के पास जाकर न्याय प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार, कानूनी ढांचे में पर्याप्त उपाय मौजूद हैं,जरूरत है तो केवल उनके सही और समय पर उपयोग की।हालांकि अदालत ने यह भी स्वीकार किया कि यदि बदलते समय और सामाजिक चुनौतियों के अनुसार नए कानूनों या संशोधनों की आवश्यकता महसूस होती है, तो केंद्र और राज्य सरकारें इस पर विचार कर सकती हैं। इस संदर्भ में 2017 की लॉ कमीशन की 267वीं रिपोर्ट का उल्लेख भी महत्वपूर्ण है, जिसमें हेट स्पीच से संबंधित कानूनों को और स्पष्ट करने के सुझाव दिए गए थे। लेकिन अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह निर्णय विधायिका के विवेक पर निर्भर करता है, न कि न्यायपालिका के निर्देश पर। साथियों बात अगर हम इस पूरे मामले में सबसे जटिल और महत्वपूर्ण सवाल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और हेट स्पीच के बीच संतुलन का है इसको समझने की करें तो, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(a) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार देता है, लेकिन अनुच्छेद 19(2) के तहत इस अधिकार पर उचित प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं,जैसे कि सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इस संतुलन को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। अदालत ने संकेत दिया कि हर आपत्तिजनक या कठोर बयान को हेट स्पीच नहीं माना जा सकता। यदि ऐसा किया गया, तो यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का अनावश्यक हनन होगा। इसलिए, केवल वही भाषण प्रतिबंधित होना चाहिए जो वास्तव में हिंसा, घृणा या वैमनस्य को बढ़ावा देता हो।यह दृष्टिकोण भारतीय न्यायपालिका के पिछले कई महत्वपूर्ण फैसलों के अनुरूप है। उदाहरण के लिए, प्रवासी भलाई संगठन बनाम यूनियन ऑफ़ इंडिया में भी सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हेट स्पीच से निपटने के लिए मौजूदा कानून पर्याप्त हैं और समस्या उनके क्रियान्वयन में है। इसी तरह, श्रेया सिंघल बनाम यूनियन ऑफ़ इंडिया में अदालत ने आईटी एक्ट की धारा 66A को रद्द करते हुए यह स्पष्ट किया था कि केवल वही भाषण प्रतिबंधित किया जा सकता है जो उकसावे की श्रेणी में आता है। इस फैसले ने डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमाओं को सटीक रूप से परिभाषित किया। साथियों बात अगर हम इस विषय पर पूर्व में दिए गए माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों को समझने की करें तो सुब्रमण्यम स्वामी बनाम यूनियन ऑफ़ इंडिया में अदालत ने यह स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूर्ण नहीं है और इसमें दूसरों की प्रतिष्ठा और गरिमा की रक्षा भी शामिल है। वहीं तहसीन एस. पूनावाला बनाम यूनियन ऑफ़ इंडिया में अदालत ने मॉब लिंचिंग और हेट स्पीच के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए सरकारों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे। हाल के वर्षों में अमिश देवगन बनाम यूनियन ऑफ़ इंडिया ने हेट स्पीच की परिभाषा को और स्पष्ट किया, यह बताते हुए कि ऐसा भाषण जो किसी समुदाय के खिलाफ घृणा या हिंसा को बढ़ावा देता है, वही हेट स्पीच के दायरे में आता है।इन सभी फैसलों को एक साथ देखने पर यह स्पष्ट होता है कि सुप्रीम कोर्ट का दृष्टिकोण लगातार संतुलित और सुसंगत रहा है। अदालत ने न तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पूर्ण रूप से निरंकुश होने दिया है और न ही हेट स्पीच के नाम पर इसे अत्यधिक सीमित किया है।बल्कि उसने एक मध्य मार्ग अपनाया है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव दोनों की रक्षा की जा सके।फिर भी, सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब कानून मौजूद हैं, तो हेट स्पीच की घटनाएं क्यों बढ़ रही हैं? इसका उत्तर प्रशासनिक और राजनीतिक क्रियान्वयन में निहित है। कई मामलों में देखा गया है कि पुलिस समय पर एफआईआर दर्ज नहीं करती, जांच में देरी होती है या निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। कभी-कभी राजनीतिक दबाव या सामाजिक ध्रुवीकरण भी कार्रवाई को प्रभावित करता है। ऐसे में अदालत का यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि कानून की प्रभावशीलता उसके अस्तित्व में नहीं, बल्कि उसके निष्पक्ष और समयबद्ध क्रियान्वयन में है। साथियों बात अगर हमडिजिटल युग में हेट स्पीच की चुनौती और भी जटिल हो गई है इसको समझने की करें तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एल्गोरिदम के माध्यम से ऐसे कंटेंट को तेजी से फैलाते हैं, जो अधिक विवादास्पद या भावनात्मक होता है। इससे नफरत फैलाने वाले संदेशों का प्रसार और भी तेज हो जाता है। इसके अलावा, फेक न्यूज़ और अफवाहें भी इस समस्या को बढ़ाती हैं। इसलिए केवल कानूनी उपाय पर्याप्त नहीं हैं इसके लिए तकनीकी, सामाजिक और शैक्षिक स्तर पर भी प्रयास आवश्यक हैं।समाधान के रूप में एक बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। सबसे पहले, कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना होगा। पुलिस और प्रशासन को प्रशिक्षित और जवाबदेह बनाना होगा ताकि वे समय पर और निष्पक्ष कार्रवाई कर सकें।दूसरा,सोशल मीडिया कंपनियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और हेट स्पीच को रोकने के लिए सख्त नीतियां लागू करनी होंगी। तीसरा, समाज में जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है ताकि लोग नफरत फैलाने वाले भाषणों को पहचान सकें और उनके खिलाफ आवाज उठा सकें। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि हेट स्पीच केवल एक कानूनी समस्या नहीं है यह एक सामाजिक, नैतिक और राजनीतिक चुनौती भी है। सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला इस बात को स्पष्ट करता है कि भारत में कानूनों की कमी नहीं है, बल्कि उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाने की आवश्यकता है। यह निर्णय एक महत्वपूर्ण संदेश देता है: लोकतंत्र में संतुलन बनाए रखना जरूरी है जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुरक्षित रहे, लेकिन उसके नाम पर नफरत और हिंसा को बढ़ावा न मिले। जब तक सरकार, न्यायपालिका, मीडिया और आम नागरिक मिलकर इस दिशा में काम नहीं करेंगे, तब तक इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं होगा। यही वह रास्ता है, जो एक समावेशी, शांतिपूर्ण और मजबूत लोकतांत्रिक समाज की ओर ले जाता है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की ग्रामगीता का अनुकरण करते हुए सर्वत्र वृक्षारोपण होना चाहिए

लेखक रमेश कृष्णराव लांजेवार

30 अप्रैल 1909 को अमरावती जिले के यावली में राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज का जन्म हुआ। उनका मूल नाम माणिक बंडोजी ठाकूर था। ऐसा लगता था मानो पृथ्वी पर कोई चमकता हुआ तारा उदित हुआ हो।हम देखते हैं कि कोई भी युद्ध जीतने के लिए हथियार आवश्यक होते हैं, जिनमें तलवार, बंदूक, गोला-बारूद या अन्य शस्त्रों का उपयोग किया जाता है। परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि ईश्वर ने अंग्रेजों से लड़ने और राष्ट्रहित के लिए तुकडोजी महाराज को “खंजिरी” यह शस्त्र दिया था। खंजिरी देखने में भले ही छोटी हो, लेकिन समाज जागरूकता के दृष्टिकोण से और अंग्रेजों पर प्रभाव डालने वाला यह अत्यंत तीक्ष्ण शस्त्र था।तुकडोजी महाराज ने खंजिरी के माध्यम से एक साथ दो उद्देश्यों को साधा समाज में भेदभाव समाप्त कर एकता और अखंडता का निर्माण किया तथा जनजागरण के माध्यम से लोगों को जागृत किया। दूसरा, अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष के लिए जनता को एकत्रित करना और स्वतंत्रता संग्राम को सफल बनाना उनका मुख्य उद्देश्य था, जिसे उन्होंने पूरा करके दिखाया। उस समय उनकी खंजिरी की गूंज पूरे भारत में सुनाई देती थी, जिससे अंग्रेजों में भी भय का वातावरण उत्पन्न हो गया था। इससे स्पष्ट होता है कि उनकी खंजिरी ने अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी।खंजिरी के माध्यम से भजन, कीर्तन और प्रवचन कर उन्होंने समाज में जनजागृति और भाईचारा उत्पन्न किया। उनके महान कार्यों को देखकर पूरा देश आश्चर्यचकित था। उनके सामाजिक, आध्यात्मिक और राष्ट्रीय कार्यों को देखते हुए भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उन्हें “राष्ट्रसंत” की उपाधि प्रदान की। उन्होंने ‘ग्रामगीता’ के माध्यम से समाज को आज भी प्रभावी संदेश दिया है।उन्होंने मराठी और हिंदी भाषाओं में काव्य रचनाएं कीं। 1935 में मोझरी में गुरुकुंज आश्रम की स्थापना की। उनके गुरु आडकोजी महाराज थे। उन्होंने पूरे देश में घूमकर सामाजिक, आध्यात्मिक और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया, यहां तक कि जापान जैसे देश में जाकर विश्वबंधुत्व का संदेश भी दिया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था।उन्होंने “आते है नाथ हमारे” जैसा प्रेरणादायक पद रचा, जो स्वतंत्रता संग्राम में प्रेरणा का स्रोत बना। ग्रामगीता के माध्यम से उन्होंने ग्रामविकास, नैतिकता और सुसंस्कृत जीवन का मार्ग दिखाया।आज बदलते जलवायु, प्रदूषण, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और जंगलों की कटाई के कारण पृथ्वी का संतुलन बिगड़ रहा है। देश के कई हिस्सों में तापमान 40 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। “एल नीनो” के कारण जल संकट और सूखे की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है।इससे बचने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है।राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की जयंती के अवसर पर सभी लोगों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। इससे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी और हमें शुद्ध वायु, ऑक्सीजन, छाया तथा पशुओं के लिए चारा उपलब्ध होगा।आइए, आज के दिन वृक्षारोपण कर राष्ट्रसंत को नमन करें।

जय हिंद।

लेखक रमेश कृष्णराव लांजेवार
(स्वतंत्र पत्रकार)
मो. नं. 9921690679, नागपुर

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा, भारत पांचवें स्थान पर

लेखक- सुनील कुमार महला

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध(रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है।ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं।सरल शब्दों में कहें तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है। नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है, जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी की है।वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी को जन्म दिया है।सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है। लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है। इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आईं हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9% बढ़ा, और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। दरअसल, हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया। गौरतलब है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर तक पहुंच गया।बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। पाठकों को बताता चलूं कि सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। सरल शब्दों में कहें तो सेना पर सर्वाधिक खर्च करने वाले देशों में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी आज दुनिया में सबसे आगे पहुंच चुके हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और जर्मनी का सैन्य खर्च क्रमशः 954,864,336,190 तथा 114 अरब डॉलर हो गया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर भार में बढ़ोत्तरी हुई है। जानकारी अनुसार दुनियाभर में सैन्य खर्च के चलते वैश्विक जीडीपी पर भार 2024 में 2.4% था, जो 2025 में बढ़कर 2.5% हो गया है। दुनियाभर में सरकारों का सेना पर औसत खर्च 2024 में 7% था, जो 2025 में घटकर 6.9% हो गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ईरान-इजरायल का खर्च घटा है। पाठकों को बताता चलूं कि इजरायल का सैन्य खर्च 4.9 फीसदी घटकर 48.3 अरब डॉलर रहा, वहीं दूसरी ओर ईरान का खर्च लगातार दूसरे साल घटा, तथा वर्ष 2025 में यह 7.4 अरब डॉलर रह गया। आंकड़े बताते हैं कि नाटो का सैन्य खर्च 14 फीसदी बढ़कर कुल 864 अरब डॉलर हो गया, वहीं पर स्पेन ने सैन्य खर्च 50 फीसदी बढ़ाया है, और कुल बजट 40.2 अरब डॉलर हो गया। इधर, मध्य-पूर्व में सेना पर 218 अरब डॉलर खर्च हुए, वर्ष 2024 से 0.1% कम।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत के रक्षा खर्च में वृद्धि की एक बड़ी वजह पिछले मई में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष बताया गया है, जिसमें लड़ाकू विमानों, ड्रोन्स व मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ। इसी के चलते पाकिस्तान का सैन्य खर्च भी 11 प्रतिशत बढ़कर 11.9 अरब डॉलर हो गया। दरअसल, पाकिस्तान ने चीन से नए हथियार भी खरीदे। गौरतलब है कि इससे वैश्विक स्तर पर सैन्य खर्च का बोझ (जीडीपी के अनुपात में) 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कि साल 2009 के बाद सबसे अधिक है। मतलब यह है कि प्रति व्यक्ति औसतन 352 डॉलर सैन्य खर्च किया गया। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका का सैन्य खर्च 7.5% घटकर 954 अरब डॉलर रहा, जिसका कारण यूक्रेन को नई वित्तीय सहायता का न मिलना बताया गया। इसके विपरीत यूरोप में 14 प्रतिशत और एशिया व ओशिनिया क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इतना ही नहीं, चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। दरअसल , चीन ने साल 2025 में अपना रक्षा बजट 7.4 प्रतिशत बढ़ाकर 336 अरब डॉलर कर दिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह लगातार 31 वां वर्ष है जब चीन ने अपने देश का रक्षा खर्च बढ़ाया है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव व सुरक्षा चिंताओं के चलते देशों ने हथियारों व रक्षा तैयारियों पर खर्च बढ़ाया है।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि किसी भी देश द्वारा अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे और नुकसान दोनों ही होते हैं। वास्तव में, यह किसी देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास पर सीधा प्रभाव डालता है।अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे यह हैं कि इससे किसी देश विशेष की जहां एक ओर राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सरल शब्दों में कहें तो सेना, रक्षा उद्योग, हथियार निर्माण, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्रों में नौकरियां पैदा होती हैं।अत्यधिक सैन्य खर्च से किसी देश कातकनीकी विकास होता है। वास्तव में रक्षा अनुसंधान से नई-नई तकनीकें विकसित होती हैं, जिनका उपयोग बाद में आम जनता के लिए भी होता है (जैसे इंटरनेट, जीपीएस आदि)। सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी से उस देश विशेष का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बढ़ता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश वैश्विक राजनीति में अधिक प्रभावशाली माना जाता है। इतना ही नहीं एक फायदा यह भी है कि इससे(अत्यधिक सैन्य खर्च से) सेना युद्ध के अलावा बाढ़, भूकंप, महामारी जैसी आपदाओं में भी मदद करती है। वहीं दूसरी ओर अत्यधिक सैन्य खर्च की बात करें तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। मसलन, इससे शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यापक असर पड़ता है।

भगवान् श्री नृसिंह का प्राकट्य; आतंकवादी निरंकुश एवं स्वैच्छाचारी वृत्तियों के समूल नाश का प्रतीक

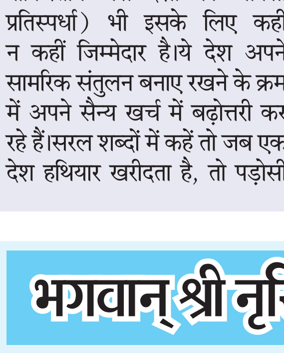
लेखक-डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

भगवान् के अपने ही सेवक अहंकार के वशीभूत होकर जब अनाधिकार चेष्टा एवं अमर्यादित आचरण करते हुए, सिद्ध महात्माओं को अपमानित करने लगते हैं, और प्रभु दर्शन में बाधक बन जाते हैं, तब भगवान् श्री हरि दंड स्वरूप उन्हें शापित करवाकर और उनकी अहंकार मूलक मनोवृत्ति का नाश कर उनके अंतःकरण को निर्मल स्वरूप प्रदान करते हैं, किंतु भगवान् के द्वारा किए गए ऐसे दंड विधान के मूल में भी उनकी कृपा ही छिपी होती है, जिसे प्राप्त कर जीव कृतकृत्य हो जाता है। स्वयं प्रकाश परमात्मा जिनके पावन नामों का उच्चारण करने वाला पुरुष सनातन मोक्ष पद को प्राप्त हो जाता है, वे ही पुराण पुरुषोत्तम भगवान् सम्पूर्ण विश्व के आत्मा, विश्व स्वरूप और सबके स्वामी हैं, वे अपने प्रेमी भक्तों को आत्मा का दिव्य आनंद प्रदान करने, एवं दूषित वृत्तियों के विनाश हेतु कभी श्री राम, श्री कृष्ण और कभी नृसिंह रुप में इस धरा धाम पर प्रकट होकर जहां अपने निजजनों को प्रेमानंद प्रदान करते हैं, वहीं पाशविक वृत्तियों का नाश कर धर्म राज्य की स्थापना करते हुए जनमानस को निर्भयता प्रदान करते हैं। दैत्यराज हिरण्यकशिपु ने ब्रह्माजी से दुर्लभ वरदान प्राप्त कर सप्त द्वीपों के अखंड राज्य सहित इन्द्रासन पर अधिकार प्राप्त कर लिया तथा समस्त लोकों को जीतकर वह दिग्विजयी दैत्यराज सबका एकछत्र सम्राट बनकर स्वच्छंदता पूर्वक विषयों का भोग करते हुए और स्वयं को ईश्वर घोषित कर धर्म पथिकों पर अत्याचार करने लगा, परिणामस्वरूप उसकी आतंकपूर्ण, निरंकुश एवं स्वैच्छाचारी वृत्तियों से मृत्युलोक सहित अन्य सभी लोक भयाक्रांत हो गए, और सब तरफ हाहाकार मचने लगा, किंतु जब अपनी पापमयी कुत्सित वृत्तियों से वह देवता, वेद, गाय, ब्राह्मण, साधु और धर्म को अपमानित तथा भगवान् से द्वेष करने लगा, तब वरदान जनित शक्ति से संपन्न उस आतंकवादी योद्धा का भगवान् नृसिंह द्वारा वध कर दिया गया। दैत्यराज हिरण्यकश्यपु के अत्याचार, आतंक और स्वैच्छाचारिता के मूल में अहंकार वश की गई अनाधिकार चेष्टा के साथ ही सेवक धर्म की अवहेलना से उपजा यथार्थ भी था, जिसके परिणामस्वरूप प्रभु प्रेरित होकर सनकादि मुनियों ने प्रभु के दो सेवकों जय और विजय को दैत्य कुल में जन्म लेने का श्राप दिया था। सनकादिकों से शापित जय विजय ही दैत्यों के कुल में हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु के रूप में जन्में, और दैत्य समुदाय से मसीहा के रूप में सम्मानित हो गए, किंतु उनकी अहंकारी वृत्ति ने अंततः उन्हें पराभव की स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। दैत्याधिपति हिरण्यकशिपु विकट तपोसाधना के बल पर भगवान् ब्रह्माजी से दुर्लभ वरदान प्राप्त करने में तो सफल हुआ, किंतु वह वरदान लोक हितार्थ नहीं होकर अपने अहंकार की परिपुष्टि करने वाले थे, इसलिए वे अंततः उसके विनाश का ही कारण बनें। भगवान् कभी किसी को मारते नहीं, बल्कि उसके लोक निंदित कर्मों के लिए उचित दंड विधान सुनिश्चित कर उसे स्वधर्म पालन की और अग्रसर करते हैं, वे अपने निज जनों को भी उनके द्वारा किए गए अपराधों के लिए उन्हें क्षमा नहीं करते हैं, बल्कि दंड के माध्यम से उन्हें अपनी भूल का एहसास कराते हुए उनकी दोषपूर्ण वृत्तियों का नाश कर उनके हृदय को निर्मल स्वरूप प्रदान करते हैं। इस तरह भगवान् के ऐसे दंड विधान में भी उनके निजजनों का सर्वतोमुखी हित ही समाहित होता है। यही कारण था कि भगवान् श्री विष्णु के सेवकों जय और विजय द्वारा जब सनकादि मुनियों के प्रति उद्दंडतापूर्वक एवं अमर्यादित व्यवहार किया गया तो उन्हें उन महात्माओं द्वारा ही शापित कराकर वैकुंठ लोक से निष्कासित किया गया। जय विजय का हिरण्यकशिपु और हिरण्याक्ष के दैत्य कुल में जन्म ग्रहण करना तथा उनके द्वारा निंदनीय कर्मों के बाद नियत समय में उनकी वैकुंठ वापसी प्रभु कृपा की अप्रतिम मिसाल है। भगवान् विष्णु के इस अवतार के मूल में केवल प्रह्लाद की रक्षा ही नहीं थी, बल्कि उनकी दिव्य प्रेमा भक्ति, प्रभु के प्रति सर्वस्व समर्पण और अटूट आस्था भी थी, जिसके वशीभूत होकर भगवान् श्री हरि विष्णु को अवतार लेने हेतु बाध्य होना पड़ा। भगवान् नृसिंह के प्राकट्य होने और हिरण्यकशिपु के पराभव ने इस बात को रैखांकित किया है कि सत्ता के अहंकार में लिप्त होकर लोकजीवन को आतंकित एवं भयाक्रांत करने वाले निरंकुश, अत्याचारी और दुष्ट शासक का अंत सुनिश्चित है। ब्रह्मा के वरदान से आत्ममुग्ध हुआ महाबली हिरण्यकशिपु भयाक्रांत कर देने वाले अपने शासन में आतंक, अत्याचार और उत्पीड़न की नित नई परिभाषाएं लिखने लगा, परिणामस्वरूप उसकी प्रजा दुःख, ग्लानि एवं अवसाद से भर गई, और पृथ्वी सहित तीनों लोकों में हाहाकार मच गया, किंतु उस वक्त उस दुष्ट के अत्याचार, धर्म की सभी सीमा रेखाओं को लांघ गए, जब अहंकार के मद में वह अपने ही भगवद् परायण पुत्र और भगवान् के प्रिय भक्त प्रह्लाद को मौत के घाट उतारने हेतु उद्यत हो गया, तब भगवान् श्री विष्णु खंब तोड़ कर नृसिंह रुप में प्रकट हुए और दैत्यराज हिरण्यकशिपु के अत्याचार, आतंक एवं स्वैच्छाचारिता का अंत कर धर्म राज्य की स्थापना की, तथा प्रह्लाद सहित संपूर्ण लोकजीवन को अभयत्व प्रदान किया। भगवान् विष्णु के विभिन्न अवतारों में यह अवतार पौराणिक काल की ऐसी अद्भुततम घटना थी, जिसने साधना के अहंकार को नैस्तनाबूद कर दिया। दैत्यराज हिरण्यकशिपु ने तप के बल पर दिव्य शक्तियां प्राप्त कर उनके दुरुपयोग को ही अपनी सफलता माना था, किंतु जब वह दंडित किया गया तो यह मिथक स्वयंमेव खंड खंड हो गया कि साधन सिद्ध पुरुष ही परम शक्ति है, जिसे कभी कोई चुनौती नहीं दे सकता। नृसिंह अवतार के माध्यम से भगवान् श्री विष्णु ने एकतरफ जहां दैत्यराज हिरण्यकशिपु की स्वैच्छाचारिता, अमर्यादित आचरण और अत्याचारपूर्ण क्रियाकलापों पर रोक लगाई, वहीं दूसरी तरफ स्वधर्म पालन में रत अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा कर उन्हें अभयत्व भी प्रदान किया। यह भगवान् का अपने निज जनों पर कृपा का ही एक तरीका है।

बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?

● यशस्वी ने कहा 'मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं'

चंडीगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स ने 223 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर पंजाब किंग्स के विजयी अभियान को रोक दिया। फ्रेंचाइजी के जाने-माने चेहरे जायसवाल ने अपनी 'ऑरेंज कैप' साथी खिलाड़ी और 15 साल के ओपनिंग पार्टनर वैभव सूर्यवंशी को सौंपी। जब ब्रॉडकास्टर ने जायसवाल से पूछा, 'बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?' इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं। थोड़ा और सोच-समझकर बोलते हुए जायसवाल ने माना कि उम्र का यह अंतर उनके लिए एक अनोखी स्थिति थी। उन्होंने कहा, लेकिन हां, वह काफी छोटा है। इसलिए, सच कहूं तो मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस बारे में क्या कहूं। बेशक यह बहुत बढ़िया है। मुझे उसके साथ बैटिंग करने में बहुत मजा आया और वह बहुत शानदार खेल रहा है। इसलिए जब मैं दूसरे छोर से उसे गेंद पर जोरदार शॉट लगाते देखता हूं, तो मुझे हमेशा खुशी होती है। आईपीएल 2026 में जायसवाल और सूर्यवंशी ने मिलकर विरोधी टीमों की जमकर धुनाई की है और साझेदारी के मामले में वे सबसे आगे चल रहे हैं। राजस्थान के लिए 9 पारियों में इन दोनों ने मिलकर 451 रन जोड़े हैं। आक्रामक सलामी साझेदारी पर बात करते हुए जायसवाल ने कहा, बेशक, हमें पता था कि यह एक हाई-स्कोरिंग मैदान है। इसलिए हमें अपना आक्रामक रवैया बनाए रखना था और जब भी मौका मिलता, हमें शॉट लगाना था। मैं भी यही सोच रहा था कि अगर गेंद मेरी रेंज में आती है, तो मैं उसे जरूर मारूंगा। और हां, हमें एक अच्छी शुरुआत की जरूरत थी क्योंकि हमें 200 या उससे ज्यादा रन बनाने थे। इसलिए यह बिल्कुल साफ था कि अगर गेंद हमारे खेलने के दायरे में आएगी, तो हम उसे जरूर मारेंगे।

न्यूजीलैंड ने महिला टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, इन खिलाड़ियों को मिला मौका

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पिछले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में खिताबी जीत वाली टीम में शामिल कुल 10 खिलाड़ियों को इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आगामी टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है।

न्यूजीलैंड ने बुधवार को स्टार ऑलराउंडर मेली केर को टीम का कप्तान बनाया। इसी के साथ मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीम का घोषणा करने वाली दूसरी टीम बन गई। कीवी टीम में अनुभव और युवाओं का अच्छा मेल है, जिसमें अनुभवी सूजी बेट्स और डिवाइन अपने 10वें टी-20 विश्व कप में खेलेंगी, जबकि नई खिलाड़ी नेन्सी पटेल और बल्लेबाज इजी शार्प का आईसीसी टूर्नामेंट में अपने पहले अनुभव के लिए टीम में स्वागत किया गया है। पहली पसंद की स्पिनर ईडन कार्सन अपनी लंबे समय से कोहनी की चोट के कारण टीम में नहीं चुनी जा सकीं।

न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर ने कहा, मेरा मानना है कि हमें एक अच्छी तरह से बैलेंस्ड टीम मिली है जिसमें एक्सपीरियंस और रोमांचक युवा प्रतिभा का मिश्रण है। हमने पिछले 12 महीनों में अपनी बैटिंग डेप्थ को डेवलप करने के लिए बहुत मेहनत की है, खासकर दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के खिलाफ हमारी हालिया होम सीरीज में इसका फायदा देखने को मिला है। न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्डकप में ग्रुप 2 में होगा और नॉकआउट स्टेज से पहले इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज के खिलाफ मैच खेलेगा।

विश्वकप के लिए न्यूजीलैंड टीम – मेली केर (कप्तान), सूज़ी बेट्स, सोफी डिवाइन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रूक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, जेस केर, रोजमेरी मेयर, नेन्सी पटेल, जॉर्जिया प्लिमर, इजी शार्प और ली ताहुहू।

गोल्फ जगत में शोक की लहर

दिग्गज खिलाड़ी विजय कुमार का 57 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने जमाने के दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार का उनके लखनऊ में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे। इंडियन ओपन 2002 के विजेता और चार बार के 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' चैंपियन विजय भारतीय पेशेवर गोल्फ के सबसे सफल और सम्मानित खिलाड़ियों में से एक थे। विजय ने 1988 में पेशेवर गोल्फर के रूप में करियर शुरू किया।

उन्होंने एक दशक से भी अधिक समय तक भारतीय घरेलू गोल्फ पर अपना दबदबा बनाए रखा और इस दौरान कई खिताब जीते। इंडियन ओपन 2002 में उनकी जीत विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वह इंडियन ओपन जीतने वाले नौ भारतीय गोल्फरों में से एक हैं। विजय ने 1999 में स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज में अलफ्रीड दुनहिल कप में भी भारत का रिप्रेजेंटसन किया था।

डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर आफ इंडिया के अध्यक्ष कपिल देव ने विजय कुमार के निधन को भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति बताया। कपिल ने कहा, विजय कुमार भारतीय गोल्फ के महान खिलाड़ियों में से एक थे। अपनी उपलब्धयों, विनम्रता और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें गोल्फरों की कई पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बना दिया। उनका निधन भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति है। हम उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

एआईएफएफ यूथ लीग

पंजाब एफसी का जलवा बरकरार, फाइनल में 3-0 से शानदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। पंजाब एफसी ने एआईएफएफ एलीट यूथ लीग 2025-26 का खिताब सफलतापूर्वक डिफेंड करते हुए फाइनल में जिंक फुटबाल एकादमी को 3-0 से हराया। गढ़शंकर के रामसर साहिब स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब स्न्रष्ट ने दूसरे हाफ में दमदार प्रदर्शन किया।

10 मिनट में मैच खत्म – दूसरे हाफ में महज 10 मिनट के अंदर पंजाब स्न्रष्ट ने तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 69वें मिनट में कृष शोरम ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके ठीक एक मिनट बाद 70वें मिनट में कप्तान विशाल यादव ने गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया।

तीसरे गोल से पक्की जीत – पंजाब एफसी का आक्रमण यहीं नहीं रुका और 79वें मिनट में थोग्राम रिषीकांत सिंह ने तीसरा गोल दागकर जीत पूरी तरह सुनिश्चित कर दी।

पहले हाफ में बराबरी की टक्कर – पहले हाफ में पंजाब स्न्रष्ट ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा और लगातार हमले किए, लेकिन जिंक फुटबाल एकाडमी के गोलकीपर स्मारनिक थापा ने कई शानदार बचाव किए।

मैड्रिड ओपन में बड़ा उलटफेर, हेले बाप्टिस्ट ने सबालेंका को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। हेले बाप्टिस्ट ने मैड्रिड ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। बाप्टिस्ट ने एक सेट से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए 2-6, 6-2, 7-6(6) से जीत दर्ज की। यह मुकाबला करीब ढाई घंटे तक चला और उनके करियर की सबसे बड़ी जीत साबित हुआ।

छह मैच प्वाइंट बचाकर पलटा मैच – इस मुकाबले में बाप्टिस्ट ने असाधारण मानसिक मजबूती दिखाई। उन्होंने छह मैच प्वाइंट बचाते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया और अंत में लगातार तीन अंक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने सबालेंका की 15 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म कर दिया।

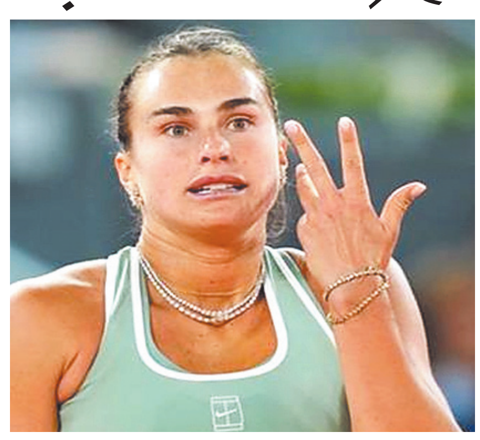

पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में एंट्री – 24 वर्षीय बाप्टिस्ट ने इस टूर्नामेंट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इससे पहले जैस्मिन पाओलिनी को हराया था और अब पहली बार किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले उन्होंने कभी टॉप-5 खिलाड़ी को नहीं हराया था, लेकिन इस बार उन्होंने लगातार बड़े नामों को मात दी है।

मैच का टर्निंग पॉइंट – पहले सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी नजर आईं और आसानी से सेट जीत लिया। लेकिन दूसरे सेट में बाप्टिस्ट ने आक्रामक खेल दिखाया और सबालेंका की गलतियों का फायदा उठाते हुए मैच बराबर कर दिया।

तीसरे सेट में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहां सबालेंका जीत के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन बाप्टिस्ट ने दबाव में शानदार संयम दिखाते हुए मैच को टाईब्रेक में पहुंचाया और वहीं से जीत हासिल की। मैच के बाद बाप्टिस्ट ने कहा- मैंने कुछ हफ्ते पहले उनके खिलाफ खेला था, इसलिए मुझे पता था कि मुझे क्या बदलाव करने हैं। मैंने अपने खेल पर भरोसा रखा और सही समय पर बदलाव किए। उन्होंने आगे कहा- ऐसे बड़े मौकों पर मुझे अलग तरह के शॉट खेलना पसंद है। मैं उसी आत्मविश्वास के साथ अगला मैच भी खेलना चाहती हूं।

वहीं सबालेंका ने बाप्टिस्ट की तारीफ करते हुए कहा- उन्होंने बेहद साहसी टेनिस खेली। कुछ गलतियों के बाद उन्हें आत्मविश्वास मिला और उन्होंने मौके का पूरा फायदा उठाया।

व्यापार

भारत को झटका, 5 महीने के निचले स्तर पर इंडस्ट्रियल ग्रोथ

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक मोर्चे पर भारत के लिए खराब खबर है। भारत की इंडस्ट्रियल ग्रोथ यानी औद्योगिक उत्पादन वृद्धि मार्च में घटी है। यह घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.1 फीसदी पर आ गई। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच मार्च में मैन्युक्चरिंग सेक्टर के सुस्त प्रदर्शन और बिजली उत्पादन के लगभग स्थिर रहने से ऐसा हुआ। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इंडस्ट्रियल ग्रोथ को एक अहम इकोनॉमिक इंडेक्टर माना जाता है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आधार पर मार्च 2025 में देश का इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन 3.9 फीसदी की दर से बढ़ा था। मार्च 2026 का 4.1 फीसदी ग्रोथ का आंकड़ा पिछले पांच महीनों का सबसे निचला स्तर है। इससे पहले अक्टूबर 2025 में ग्रोथ रेट 0.5 फीसदी रही थी। इसके साथ ही एनएसओ ने फरवरी 2026 के औद्योगिक उत्पादन आंकड़े को भी संशोधित कर 5.1 फीसदी कर दिया है। यह 5.2 फीसदी के पिछले अनुमान से थोड़ा कम है। औद्योगिक क्षेत्रों के आंकड़ों के आधार पर देखें तो मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ मार्च महीने में 4.3 फीसदी रही। पिछले साल के चार फीसदी के मुकाबले यह मामूली रूप से ज्यादा है। माइनिंग सेक्टर का प्रदर्शन बेहतर रहा। इसमें 5.5 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई। वहीं, एक साल पहले यह 1.2 फीसदी थी। हालांकि, बिजली उत्पादन की ग्रोथ घटकर 0.8 फीसदी रह गई। यह पिछले साल इसी महीने 7.5 फीसदी थी। इससे कुल इंडस्ट्रियल ग्रोथ पर दबाव पड़ा। वित्त वर्ष 2025-26 की पूरी अवधि में देश के औद्योगिक उत्पादन की ग्रोथ लगभग स्थिर रही। यह 4.1 फीसदी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2024-25 के चार फीसदी के करीब यह है।

बंद होने की कगार पर हैं, मदद करो, एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने खड़े किए हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने सरकार से तत्काल मदद की गुहार लगाई है। उसका कहना है कि विमान ईंधन एटीएफ की मौजूदा कीमतें इंडस्ट्री पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रही हैं। केंद्र सरकार को लिखे पत्र में एफआईए ने कहा है कि इस दबाव के कारण एयरलाइन इंडस्ट्री अब बंद होने की कगार पर पहुंच गई है। एफआईए एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट की भागीदारी वाला संगठन है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एटीएफ की कीमत में 73 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसके चलते घरेलू उड़ानों के साथ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन भी व्यावहारिक रूप से पूरी तरह से घाटे का सौदा बन गया है। फेडरेशन ने आगे कहा कि एटीएफ की कीमत में 73 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन अब पूरी तरह से घाटे का सौदा बन गया है। एफआईए ने कहा,

'अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एटीएफ की कीमत में 73 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसके चलते घरेलू उड़ानों के साथ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन भी व्यावहारिक रूप से पूरी तरह से घाटे का सौदा बन गया है। अप्रैल 2026 में एविएशन सेक्टर को इसके कारण भारी नुकसान उठाना पड़ा है।' एयरलाइन संस्था के मुताबिक, 'अप्रैल 2026 की कीमतों से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के बीच कोई समानता सुनिश्चित नहीं हो पाती है।' एफआईए ने कहा कि आमतौर पर ,ज्ञस्न की कीमतें एयरलाइन की कुल लागत का लगभग 30 से 40 फीसदी होती हैं। लेकिन, अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कीमतों में हुई बढ़ोतरी के चलते अब की लागत एयरलाइन के कुल परिचालन खर्च का 55 से 60 फीसदी तक पहुंच गई है। संस्था ने आगे कहा, 'इसके अलावा, रुपया भी और कमजोर होकर अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। इससे एटीएफ की कीमतों के मामले में एयरलाइंस पर और ज़्यादा बोझ पड़ गया है।'

अनिल अंबानी पर ईडी का बड़ा एक्शन, 3035 करोड़ की संपत्तियां कुर्क, खंडाला का फार्महाउस भी जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस कम्युनिकेशंस बैंक धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी ग्रुप की 3034.90 करोड़ रुपये की अतिरिक्त संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की हैं। इसके साथ ही रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप से जुड़े मामलों में कुल जब्त संपत्तियों का मूल्य 19,344 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। ईडी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम की धारा 5 के तहत की गई है, ताकि संपत्तियों के बिखराव को रोका जा सके और बैंकों व आम जनता के हितों की रक्षा हो सके। यह जांच सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल की जांच के तहत की जा रही है, जिसमें बैंक और सार्वजनिक धन के कथित दुरुपयोग तथा मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप शामिल हैं। जांच के अनुसार आरकाम और उसकी समूह कंपनियों ने घरेलू और विदेशी ऋणदाताओं से भारी कर्ज लिया था, जिसमें से कुल 40,185 करोड़ रुपये अभी भी बकाया हैं। ईडी ने यह जांच सीबीआई द्वारा दर्ज की गई उन एफआईआर के आधार पर शुरू की थी, जो भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और शिकायतों पर अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई थीं।

ईडी की जांच में प्रमोटर समूह की कई महत्वपूर्ण संपत्तियों का खुलासा हुआ, जिन्हें अब कुर्क कर लिया गया है: मुंबई: उषा किरण बिल्डिंग में स्थित एक फ्लैट। खंडाला (पुणे): एक फार्महाउस।

क्लाइमेट फंड रेनमैटर का समर्थन

किसानों की आमदनी 3 गुनी करने वाली एफ 4 एफ की सक्सेस स्टोरी नितिन कामथ की जुबानी

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछले हफ्ते गर्मी ने कहर बरपाया। नागपुर में 45ए, अहमदाबाद में 44ए, प्रयागराज में 43ए, दिल्ली में 42ए तापमान रहा। बेंगलुरु में भी 37ए पहुंच गया

और अभी अप्रैल ही चल रहा है। तापमान बढ़ने का एक बड़ा कारण जंगलों का घटना है और भारत ने बहुत सारे जंगल खो दिए हैं। 2020 में हम 'फार्मर्स फॉर फॉरेस्ट्स नाम की टीम से मिले थे।' यह जेरोधा के फाउंडर नितिन कामथ के उस ङ्क पोस्ट का अंश है, जो उन्होंने 27 अप्रैल 2026 को शाम 5:51 बजे किया था। इसे अबतक 4.91 लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं।

दरअसल कहानी यहां व्यूज की नहीं है। यह एक सक्सेस स्टोरी है, जिसमें पारंपरिक खेती की तुलना में किसानों की आमदनी 3 गुना बढ़ गई। एफ4एफ की शुरुआत 2019 में भारत में हुई। इसे अर्ति धर, आदित्य अविनाशे और कृतिका रविशंकर ने मिलकर स्थापित किया। ये टीम ईको सिसटम, ग्रामीण विकास और तकनीक के क्षेत्र से आती है। उन्होंने एक ऐसा मॉडल बनाने की ठानी, जहां किसान सिर्फ फसल उगाने वाले न हों, बल्कि प्रकृति को पुनर्जीवित करने वाले कार्बनदाता बनें। भारत में खेती अब भी सबसे बड़ी आजीविका का साधन है, लेकिन किसानों के सामने कम आय, बेमौसम बारिश और बंजर होती जमीन जैसी समस्याएं हैं। एफ4एफ का मानना है कि किसानों को प्रोत्साहित करके उनकी जमीन पर पेड़ लगाने और ईको सिस्टम सुधारने का काम किया जा सकता है। इसे कृषि-वानिकी (अग्रोफॉरेस्ट्री) कहते हैं। इससे न केवल मिट्टी अच्छी होती है, बल्कि जैव विविधता बढ़ती है और कार्बन क्रेडिट या टिकाऊ उपज से किसानों की अतिरिक्त आय भी होती है। यानी खेती को खत्म नहीं, बल्कि उसे मजबूत बनाना है। शुरुआत में ही नितिन कामथ के क्लाइमेट फंड रेनमैटर का समर्थन मिला। रेनमैटर ऐसे ही असरदार और बड़े पैमाने पर लागू होने वाले जलवायु समाधानों को अपनाता है। यह समर्थन देखकर लगा कि अब भारत के नए उद्यमी सिर्फ फिनटेक और टेक्नोलॉजी से आगे बढ़कर जलवायु समाधानों पर भी काम कर रहे हैं। हाल ही में नितिन कामथ ने बताया कि उनकी टीम पहली बार 2020 में एफ4एफ से मिली थी। तब यह 50 एकड़ में काम कर रहा था। आज यह 5,000 एकड़ में फैल चुका है और अगले तीन साल में 40,000 एकड़ तक पहुंचने के लिए फंडिंग मिल चुकी है।

भारत नहीं लौटना चाहते एनआरआई

शख्स ने श्रीधर वेम्बु को चुन-चुनकर बताए कारण, कहा- सिर्फ 'वतन प्रेम' काफी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। जोहो के फाउंडर श्रीधर वेम्बु की ओर से अमेरिका में बसे भारतीयों से वतन वापसी की अपील के बाद एक नई बहस छिड़ गई है। शिकागो स्थित निवेशक विनीत के ने वेम्बु के 'ओपन लेटर' का जवाब देते हुए उन बुनियादी कारणों को गिनाया है, जिनकी वजह से प्रवासी भारतीय विदेश में ही रुकना पसंद करते हैं। विनीत के अनुसार, अब बात केवल ज्यादा पैसों की नहीं रह गई है, बल्कि यह बेहतर जीवनशैली और विश्वसनीय व्यवस्था से जुड़ी है। विनीत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में उन एनआरआई लोगों का अनुभव शेयर किया है जिन्होंने विदेश में रहने का फैसला किया है। उन्होंने इसके पीछे कई बुनियादी कारण बताए। उन्होंने लिखा है कि रोजमर्रा के जीवन में कम भ्रष्टाचार है। साथ ही बुनियादी सेवाओं के लिए जुगाड़ या पहचान पर

निर्भरता कम है। बेहतर बुनियादी ढांचा। अमेरिका में साफ-सुथरे शहर, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और बिना टेंशन वाली सड़कें हैं। अनुशासन और सुरक्षाः बेहतर नागरिक अनुशासन और आपात स्थिति के दौरान मजबूत सुरक्षा तंत्र है। स्थिरताः विनीत ने कहा कि यह विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी जीवन जीने का तरीका है।

क्या था श्रीधर वेम्बु का प्रस्ताव

श्रीधर वेम्बु ने हाल ही में अमेरिका में रह रहे भारतीयों को एक खुला पत्र लिखा था। उन्होंने तर्क दिया था कि देश को अपनी युवा आबादी का मार्गदर्शन करने के लिए अनुभवी प्रतिभाओं की जरूरत है। उन्होंने प्रवासियों से अपील की थी कि वे वापस आएं और भारत के तकनीकी नेतृत्व में योगदान दें। उन्होंने लिखा था कि भारत की वैश्विक स्थिति और समृद्धि तकनीकी ताकत पर निर्भर करेगी।

सिर्फ वतन प्रेम काफी नहीं'

विनीत ने सीधे सवाल किया कि आखिर प्रवासियों के पास वापस लौटने के लिए क्या प्रोत्साहन है उन्होंने कहा, 'हम आखिर कब तक सिर्फ मातृभूमि की भावना का हवाला देकर लोगों से लौटने की उम्मीद करते रहेंगे कई लोगों ने भारत को पीछे नहीं छोड़ा है, बल्कि उन्होंने एक ऐसी जगह अपना जीवन बनाया है जहां सिस्टम उन्हें स्थिरता देता है।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो लोग भारत में रह रहे हैं, उन्हें बाहर वालों को वापस बुलाने के बजाय देश की घरेलू चुनौतियों को ठीक करने पर ध्यान देना चाहिए। इंटरनेट पर एक बड़ी चर्चा को जन्म दे दिया है। एक तरफ वे लोग हैं जो मानते हैं कि प्रतिभा का देश वापस आना विकास के लिए जरूरी है, वहीं दूसरी तरफ विनीत के तर्कों से सहमत लोग कह रहे हैं कि जब तक भारत में 'क्वालिटी ऑफ लाइफ' और 'सिविक सेंस' में सुधार नहीं होता, तब तक केवल भावनात्मक अपीलों से कुशल लोगों को वापस लाना मुश्किल होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM
किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)